RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

| अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|
| 36.0°C | 29°C |

| सूर्योदय | सूर्यास्त |
|---|---|
| 5:43 AM | 7:23 PM |

दैनिक
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी
# ज़ूम न्यूज़ राजस्थान

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

वर्ष: 01 | अंक: 01 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, गुरुवार 16 जुलाई, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | संस्करण: 01

## कैबिनेट ने ओडिशा और झारखंड में 3,907 करोड़ रुपए की दो रेलवे परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने बुधवार को ओडिशा और झारखंड के चार जिलों को कवर करने वाली 3,907 करोड़ रुपए की लागत वाली दो मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। इन परियोजनाओं के तहत भारतीय रेलवे नेटवर्क में करीब 145 किलोमीटर का विस्तार होगा। कैबिनेट के अनुसार, इन परियोजनाओं से रेलवे लाइन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम बनेगी। इसके साथ ही भारतीय रेलवे की परिचालन क्षमता और सेवा विश्वसनीयता में भी सुधार होगा। सरकार ने बताया कि प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से करीब 1,526 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जहां लगभग 14 लाख की आबादी रहती है। इसके अलावा, इन परियोजनाओं से देश के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच भी आसान होगी। इनमें ललितगिरि बौद्ध परिसर, श्री बालदेवज्यू मंदिर और मेघाहातुबुरु हिल्स जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल शामिल हैं। बयान में कहा गया कि रेलवे परिवहन पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष माध्यम है।

## पीयूष गोयल और मारोस शेफकोविच ने की भारत-ईयू एफटीए की प्रगति की समीक्षा, व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफकोविच से मुलाकात कर भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (इंडिया-ईयू एफटीए) के क्रियान्वयन की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों (क्रिटिकल टेक्नोलॉजी) और मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं (रेजिलिएंट सप्लाई चेन) में सहयोग बढ़ाने के नए अवसरों पर भी चर्चा की।

इस वर्ष मार्च में भी गोयल और शेफकोविच की मुलाकात कैमरून में आयोजित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के दौरान हुई थी।

उस बैठक में भी दोनों पक्षों ने भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने की दिशा में हो रही प्रगति की समीक्षा की थी।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया को जनवरी 2026 में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन द्वारा किए गए ऐलान के बाद आगे बढ़ाया जा रहा है। इससे पहले भारत और बेल्जियम ने भी व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स और कार्यबल गतिशीलता (वर्कफोर्स मोबिलिटी) के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की थी।

### राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर "अमृत महोत्सव" का भव्य आयोजन,

## वर्तमान व पूर्व विधायकों का महाकुंभ, लोकतंत्र में अटूट आस्था और जनकल्याण की आधारशिला है अमृत महोत्सव

जयपुर। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विधानमंडल केवल कानून बनाने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र की ऐसी 'पाठशालाएँ' हैं जहाँ जनप्रतिनिधि संवाद, अनुशासन, सहमति और सेवा के मूल्यों का संस्कार प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति अपने दायित्वों का पूर्णतः बोध होना चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि जनविश्वास, संवाद, गरिमा और सेवा-भावना से सुदृढ़ होता है। बिरला राजस्थान विधान सभा के 75वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'विधान गौरव यात्रा भूतपूर्व एवं वर्तमान सदस्यों का सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

बिरला ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। राजस्थान विधान सभा को अपने सार्वजनिक जीवन की "प्रथम पाठशाला" बताते हुए बिरला ने कहा कि इसी सदन में अर्जित लोकतांत्रिक मूल्य, संसदीय परंपराएँ और विधायी आचरण ने उन्हें छात्र नेता से विधायक, सांसद और अंततः लोक सभा अध्यक्ष बनने की यात्रा में मार्गदर्शन प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि विधान सभा में उन्होंने संसदीय लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप समझा कि सुनने की संस्कृति और स्वस्थ बहस लोकतंत्र को समृद्ध बनाती है तथा इतिहास का निर्माण करती है, जबकि व्यक्तिगत मतभेद लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। उन्होंने कहा कि सदन में होने वाली प्रत्येक बहस और प्रत्येक शब्द लोकतांत्रिक इतिहास का स्थायी हिस्सा बन जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया जा रहा अमृत महोत्सव लोकतंत्र में हमारी अटूट आस्था, जन-जन की आकांक्षाओं तथा प्रदेश की गौरवशाली लोकतांत्रिक यात्रा का ऐतिहासिक उत्सव है। वर्ष 1952 में 160 सदस्यों के साथ प्रारंभ हुई राजस्थान विधानसभा की यात्रा आज लोकतंत्र, सुशासन और जनकल्याण की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। उन्होंने कहा कि समय के साथ सरकारें और विचारधाराएं बदलीं, लेकिन जनहित सर्वोपरि रखने का संकल्प कभी नहीं बदला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत महोत्सव एक दिन का आयोजन नहीं है, बल्कि पूरे वर्ष चलने वाला लोकतांत्रिक महोत्सव है। इस दौरान संसदीय एवं संविधान विशेषज्ञों के विचार, लोकतंत्र की चुनौतियों पर विमर्श, विधानसभा के डिजिटल रूपांतरण पर चर्चा और नई पीढ़ी को संसदीय परंपराओं से जोड़ने जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अनुभव, ऊर्जा, परंपरा और नवाचार का अद्भुत समागम देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रदेशवासियों के विश्वास, जनप्रतिनिधियों के समर्पण और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुदृढ़ परंपरा का उत्सव है। उन्होंने अनुभव और युवा ऊर्जा के इस अभूतपूर्व समागम को लोकतंत्र की असली पूंजी बताते हुए कहा कि जब एक युवा विधायक का आधुनिक दृष्टिकोण बुजुर्ग विधायकों के दशकों लंबे विधायी और सामाजिक अनुभवों से मिलता है, तो संसदीय परंपराएं और अधिक परिपक्व व समृद्ध होती हैं। देवनानी ने विधानसभा द्वारा जनहित में उठाए गए क्रांतिकारी कदमों का विशेष रूप से उल्लेख किया।

## महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक मानसून सत्र में पारित होने की संभावना

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने बुधवार को विश्वास जताया कि आगामी मानसून सत्र में महिला आरक्षण और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन विधेयक पारित हो जाएंगे। राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की जनसंख्या बढ़कर लगभग 20 लाख से 25 लाख हो गई है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों को अंजाम देना बेहद मुश्किल हो गया है। इसलिए, आम जनता को न्याय दिलाने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन अत्यंत आवश्यक है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे के साथ सांसद संजय देशमुख, संजय जाधव, भाऊसाहेब वाकचौरे, ओमराजे निंबालकर और नागेश पाटिल अष्टिकर भी मौजूद थे। महिला आरक्षण विधेयक पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए शिंदे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस निर्णायक कार्रवाई के लिए प्रशंसा की, जिस पर पहले केवल अंतहीन चर्चाएं ही होती रहीं थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस विधेयक को पेश करने का साहस दिखाया।

## कैबिनेट ने 'सेमीकॉन 2.0' योजना को दी मंजूरी, 1.27 लाख करोड़ रुपए से भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण और चिप डिजाइन को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

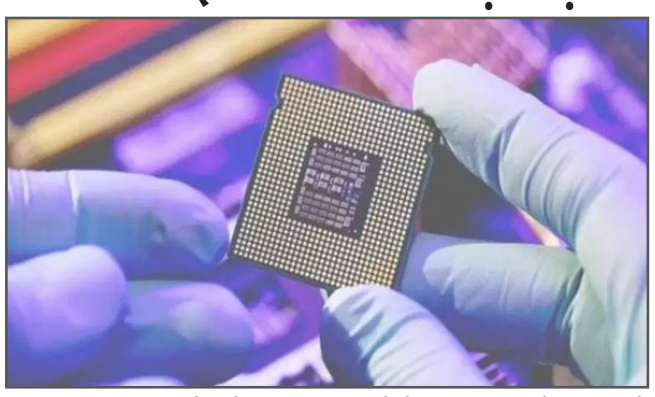

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 'सेमीकॉन 1.0' की सफलता के बाद घरेलू सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए 'सेमीकॉन 2.0' स्कीम को मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 1,27,500 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। सरकार के अनुसार, अब तक 12 सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी जा चुकी है, जिनमें 1.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल निवेश प्रस्तावित है। इनमें एक सिलिकॉन फैब, एक सिलिकॉन कार्बाइड फैब, एक इंटीग्रेटेड गैलियम नाइट्राइड माइक्रो एलईडी डिस्प्ले फैब और नौ पैकेजिंग यूनिट्स शामिल हैं। ये इकाइयां उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, एयरोस्पेस सहित कई क्षेत्रों की चिप जरूरतों को पूरा करेंगी। मंजूर की गई 12 परियोजनाओं में से माइक्रोन, केयन्स और सीजी सेमी ने व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है, जबकि एक अन्य यूनिट के वर्ष 2026 में उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है।

सरकार ने स्टार्टअप और एमएसएमई क्षेत्र को भी बढ़ावा दिया है। अब तक 24 सेमीकंडक्टर डिजाइन परियोजनाओं को वित्तीय सहायता के लिए मंजूरी दी गई है, जबकि 105 स्टार्टअप और एमएसएमई को उद्योग में इस्तेमाल होने वाले अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स तक पहुंच उपलब्ध कराई गई है। कैबिनेट के बयान के अनुसार, 'सेमीकॉन 2.0' का उद्देश्य 'सेमीकॉन 1.0' से मिली गति को आगे बढ़ाते हुए भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। सरकार ने बताया कि सेमीकॉन 2.0 छह प्रमुख स्तंभों (पिलर्स) पर आधारित होगा।

## बंगाल की नई राजनीतिक पार्टी संसद के मानसून सत्र में कर सकती है एंट्री, फ्लोर लीडर का हुआ चुनाव

नई दिल्ली। नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने बुधवार को सोशल मीडिया पर कई पोस्ट कर अपनी संसदीय पार्टी के नेताओं को बधाई दी। पार्टी ने हाल ही में हुए बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के बाद खुद को लोकसभा में एक प्रमुख ताकत के रूप में स्थापित करने का दावा किया है। इससे पहले पार्टी ने सुदीप बंद्योपाध्याय को लोकसभा में अपना फ्लोर लीडर, शताब्दी रॉय को उपनेता और काकोली घोष दस्तीदार को मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) नियुक्त किया था। दल बदल के बाद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा था कि अब वे संसद में 'असली तृणमूल' का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र से होगी।

बता दें कि अब तक ज्यादा चर्चा में नहीं रहने वाली एनसीपीआई ने एक भी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा है, लेकिन पिछले महीने वह अचानक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गई। इसकी वजह यह रही कि तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने एनसीपीआई में विलय की घोषणा कर दी। कोलकाता स्थित मुख्यालय वाली इस पार्टी ने 2023 में त्रिपुरा विधानसभा चुनाव भी लड़ा था, जहां उसे कुल 822 वोट मिले थे। लोकसभा में तृणमूल के बागी सांसदों के शामिल होने के बाद एनसीपीआई अब सदन की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बाद दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी बनने का दावा कर रही है। एनडीए के अन्य प्रमुख सहयोगियों में आंध्र प्रदेश की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के 16 और बिहार की जनता दल (यूनाइटेड) के 12 सांसद हैं। एनसीपीआई में शामिल सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर अपनी नई संसदीय पार्टी को मान्यता देने की मांग की है। साथ ही उन्होंने एनडीए को समर्थन देने की भी घोषणा की है, जो तृणमूल कांग्रेस के पहले के रुख से अलग है। हालांकि, विशेषज्ञों

के बीच इस बात पर मतभेद है कि क्या यह कदम दल-बदल विरोधी कानून के तहत इन सांसदों को अयोग्यता से बचा सकता है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 'शेल पार्टी' की रणनीति बताया है, जिसमें एक छोटी और लगभग अज्ञात पार्टी का इस्तेमाल राजनीतिक और कानूनी सुरक्षा पाने के लिए किया जाता है। वहीं, बागी सांसदों का कहना है कि उन्हें संविधान की दसवीं अनुसूची के पैरा-4 के तहत सुरक्षा मिलती है। इस प्रावधान के अनुसार, यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई विधायक या सांसद विलय के पक्ष में हों तो उन्हें दल-बदल के आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता। कानूनी विशेषज्ञों की राय भी इस मुद्दे पर अलग-अलग है। कुछ का मानना है कि संबंधित प्रावधान में 'पार्टी' शब्द का मतलब केवल सांसदों का समूह नहीं, बल्कि पूरी राजनीतिक पार्टी से है, भले ही दो-तिहाई सांसद विलय के पक्ष में क्यों न हों। लोकसभा की आधिकारिक वेबसाइट पर अब भी तृणमूल कांग्रेस के 28 सांसद दर्ज हैं।

## ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर ने संसद को किया 'गुडबाय', बोले- ये मेरे राजनीतिक सफर का अंत

लंदन। कीर स्टार्मर ने बतौर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री आखिरी बार हाउस ऑफ कॉमंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि वह देश को उस स्थिति से बेहतर हालात में छोड़कर जा रहे हैं, जैसी स्थिति में उन्होंने कार्यभार संभाला था। संसद में प्रश्नकाल के दौरान लेबर पार्टी की सांसद और स्टार्मर की करीबी सहयोगी कैरोलिन हैरिस ने कहा, 'जब स्टार्मर ने पार्टी का नेतृत्व संभाला था, तब बहुत कम लोगों को विश्वास था कि वह जरूरी बदलाव ला पाएंगे। आज उनके नेतृत्व की बदौलत बच्चे अधिक न्यायपूर्ण ब्रिटेन में बड़े हो रहे हैं और देश वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़ा है।' हैरिस ने कहा कि पूरे कार्यकाल के दौरान स्टार्मर की शालीनता और साहस लगातार दिखाई दिया। उनकी बातों के जवाब में स्टार्मर ने उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'डिस्पैच बॉक्स से यह मेरा आखिरी जवाब होगा।'

## 'एक देश-एक चुनाव' लोकतंत्र को और मजबूत करेगा, संविधान के मूल ढांचे पर नहीं पड़ेगा असर

लखनऊ। 'एक देश-एक चुनाव' से संबंधित संविधान संशोधन विधेयकों पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय बैठक बुधवार को संपन्न हो गई। समिति के अध्यक्ष एवं सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि 'एक देश-एक चुनाव' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच का हिस्सा है और इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा देशहित के अनुरूप बनाना है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था संविधान के मूल ढांचे या संघीय व्यवस्था के खिलाफ नहीं है। बैठक के समापन के बाद आयोजित प्रेसवार्ता में पीपी चौधरी ने कहा कि वर्ष 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए जाते थे। बाद में विभिन्न कारणों से यह व्यवस्था बदल गई। उन्होंने कहा कि वर्ष 1968 में कुछ राज्यों में राष्ट्रपति शासन और राज्यों के पुनर्गठन के कारण चुनावी चक्र प्रभावित हुआ, जबकि आपातकाल के दौरान लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाए जाने से लोकसभा और विधानसभा चुनावों का एक साथ होना समाप्त हो गया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर विभिन्न संस्थाओं और समितियों ने भी एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है। इनमें वर्ष 1983 में निर्वाचन आयोग, वर्ष 2002 की एक समिति, वर्ष 2015 की संसदीय समिति, वर्ष 2018 में नीति आयोग तथा वर्ष 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति शामिल हैं। जेपीसी अध्यक्ष ने कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का आशय केवल लोकसभा और विधानसभा चुनावों का एक साथ आयोजन है। इससे संविधान के मूल ढांचे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उनका दावा था कि इस व्यवस्था से देश की अर्थव्यवस्था को लगभग सात लाख करोड़ रुपए तक का लाभ हो सकता है। समिति ने कहा कि प्राप्त सुझावों और अभिमतों पर विचार कर अपनी रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

## भारत-यूके व्यापार समझौते से भारतीय उद्योग के लिए निर्यात और प्रौद्योगिकी के नए अवसर खुलेंगे- उद्योग संगठन

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता बुधवार से लागू हो गया। उद्योग जगत के प्रमुख संगठनों का कहना है कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर खोलेगा, प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करेगा और वैश्विक बाजार में भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। समझौते के लागू होने के अवसर पर पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने 'इंडिया-यूके सीईटीए: निर्यात अवसरों और बाजार पहुंच के लिए एक रणनीतिक मार्गदर्शिका' शीर्षक से एक शोध रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में द्विपक्षीय व्यापार, विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, तकनीकी सहयोग, बाजार पहुंच और समझौते से अधिकतम लाभ उठाने के लिए आवश्यक नीतिगत उपायों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ब्रिटेन को होने वाला निर्यात अब तेजी से उच्च मूल्य वाले विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) उत्पादों की ओर बढ़ रहा है, जिसमें उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, औद्योगिक

नीतियों और विनिर्माण क्षेत्र की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्मार्टफोन, दवाइयां (फार्मास्यूटिकल्स), एल्युमिनियम ऑक्साइड, पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, मशीनरी के पुर्जे, फुटवियर और प्रसंस्कृत कृषि उत्पाद भारत के सबसे तेजी से बढ़ते निर्यात क्षेत्रों में शामिल हो गए हैं। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा कि भारत-यूके सीईटीए में द्विपक्षीय व्यापार को पारंपरिक वस्तु-आधारित संबंधों से आगे बढ़ाकर प्रौद्योगिकी आधारित रणनीतिक आर्थिक साझेदारी में बदलने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती विनिर्माण क्षमता और ब्रिटेन की नवाचार एवं उन्नत तकनीक में विशेषज्ञता मिलकर निर्यात बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं (ग्लोबल वैल्यू चेन) में भारत की भागीदारी को मजबूत करने के बड़े अवसर पैदा करती हैं। इसी तरह भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने भी इस समझौते के लागू होने को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इससे भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे तथा भारतीय उद्योगों के लिए नए व्यावसायिक अवसर पैदा होंगे।

# अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में

'यह एक अविश्वसनीय मैच था। हम कभी हार नहीं माने। आखिरी तक विश्वास बनाए रखा और जीत हासिल की।'

— लियोनेल मेसी, कप्तान, अर्जेंटीना

## इंग्लैंड को आखिरी 7 मिनट में 2-1 से हराया; मेसी के दो पास, फर्नांडिज-मार्टिनेज के गोल

**सेमीफाइनल | अटलांटा**

| ENGLAND | | ARGENTINA |
|---|---|---|
| 1 | - | 2 |

- 55' एंथनी गॉर्डन (इंग्लैंड)
- 86' एंजो फर्नांडिज (अर्जेंटीना)
- 90+2' लॉटारो मार्टिनेज

**फाइनल मुकाबला**

SPAIN vs ARGENTINA

19 जुलाई 2026

न्यूजर्सी, अमेरिका

फुटबॉल वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उसे डिफेंडिंग चैंपियन क्यों कहा जाता है। अटलांटा में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में टीम ने आखिरी 7 मिनट में दो गोल दागकर इंग्लैंड को 2-1 से हरा दिया। इसी जीत के साथ अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंच गई। अब 19 जुलाई को न्यूजर्सी में उसका मुकाबला स्पेन से होगा।

### पहला हाफ- फुटबॉल कम, लड़ाई ज्यादा

- मैच की शुरुआत से ही यह साफ हो गया कि मुकाबला सिर्फ फुटबॉल का नहीं है। तीसरे ही मिनट में इंग्लैंड के इलियट एंडरसन पर टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए। रेफरी इस्माइल एलफाथ को बीच-बचाव करना पड़ा।
- पूरे पहले हाफ में कई बार खिलाड़ी भिड़े और फाउल की भरमार रही।
- 33वें मिनट में इंग्लैंड को पहला मौका मिला। डेक्लन राइस की फ्री-किक पर जॉन स्टोन्स ने हेडर लगाया, लेकिन गेंद नेट से टकराकर बाहर चली गई।
- अर्जेंटीना की ओर से एंजो फर्नांडिज ने 38वें मिनट में बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, जो गोलपोस्ट के ऊपर निकल गया।
- 37वें मिनट में मेसी को रोकने के लिए इलियट एंडरसन ने फाउल किया, जिस पर उन्हें येलो कार्ड मिला।
- 42वें मिनट में जूड बेलिंगहम की जर्सी खींचने पर लिसांद्रो मार्टिनेज को भी येलो कार्ड दिखाया गया।
- हाफ टाइम की सीटी के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ी रेफरी से बहस करते रहे और मेसी सबसे आखिर में मैदान से बाहर गए।

### दूसरे हाफ की शुरुआत में इंग्लैंड का गोल

- ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने तेज शुरुआत की।
- जूलियन अल्वारेज ने 48वें मिनट में पहला ऑन-टारगेट शॉट लगाया, जिसे जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार तरीके से रोक दिया।
- 55वें मिनट में मैच का पहला गोल इंग्लैंड ने किया। हैरी केन के लंबे पास पर अर्जेंटीना का डिफेंस पूरी तरह क्लियरेंस नहीं कर सका।
- डेक्लन राइस ने गेंद मॉर्गन रोजर्स को दी। रोजर्स ने दाईं ओर से सटीक क्रॉस डाला, जिस पर एंथनी गॉर्डन ने आसान फिनिश किया और इंग्लैंड 1-0 से आगे हो गया।

### मेसी के पास ने पलटा मैच, लॉटारो ने तोड़ा इंग्लैंड का सपना

- गोल खाने के बाद अर्जेंटीना ने अटैकिंग गेम खेलना शुरू कर दिया।
- टीम को 86वें मिनट में कॉर्नर मिला। मेसी ने शॉर्ट कॉर्नर खेलकर गेंद एंजो फर्नांडिज को दी। फर्नांडिज ने करीब 25 गज की दूरी से शानदार शॉट लगाया और स्कोर 1-1 हो गया।
- इंजरी टाइम (90+2 मिनट) में मेसी ने फिर कमाल कर दिखाया। उन्होंने दाईं ओर से बॉल बॉक्स में भेजी।
- सब्स्टीट्यूट स्ट्राइकर लॉटारो मार्टिनेज डिफेंडरों से आगे निकले और शानदार हेडर के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। अर्जेंटीना ने पांच मिनट के भीतर मैच पलटते हुए 2-1 की बढ़त बना ली।

## मैच के टॉप-5 रिकॉर्ड्स

### 1 लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में स्कालोनी

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाले इतिहास के सातवें कोच बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ विटोरियो पोंजो, हेल्मुट शॉन, मारियो जागालो, कार्लोस बिलार्डो, फ्रांज बेकेनबाउर और डिडिएर डेशां ने हासिल की थी।

### 2 अर्जेंटीना पहली बार लगातार दो फाइनल में

2022 में चैंपियन बनने के बाद अर्जेंटीना ने 2026 में भी फाइनल में जगह बना ली। टीम इतिहास में पहली बार लगातार दो वर्ल्ड कप फाइनल खेलेगी। अर्जेंटीना ने वर्ल्ड इतिहास में अपना छठा सेमीफाइनल खेला और हर बार जीत हासिल की।

### 3 लगातार 14वीं जीत

इंग्लैंड को हराकर अर्जेंटीना ने सभी मतियोगिताओं में लगातार 14वीं जीत दर्ज की। टीम सितंबर 2025 में इक्वाडोर से हारने के बाद एक भी मैच नहीं हारी है।

### 4 एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल

अर्जेंटीना ने मौजूदा टूर्नामेंट में 19 गोल कर दिए। यह टीम का एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का नया रिकॉर्ड है। अर्जेंटीना ने लगातार 14 वर्ल्ड कप मैचों में कम से कम 2 गोल किए हैं। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड हैं।

### 5 हैरी केन बने सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले आउटफील्ड खिलाड़ी

अर्जेंटीना के खिलाफ उतरते ही हैरी केन ने इंग्लैंड के लिए 121वां मैच खेला। वह वेन रूनी को पीछे छोड़कर इंग्लैंड के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए। ओवरऑल उनसे आगे सिर्फ गोलकीपर पीटर शिलटन (125 मैच) हैं।

# अमुत संवाद : अनुभव से भविष्य की ओर

## वरिष्ठ नेताओं के विचार, प्रेरणा और लोकतांत्रिक संकल्प

75 वर्षगाँठ
अमृत महोत्सव
1952-2026

### भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान विधानसभा की 75 वर्षों की यात्रा प्रदेश की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं और जनसेवा के संकल्प का प्रतीक है। पूर्व और वर्तमान जनप्रतिनिधियों ने अकाल, बिजली, पानी, सड़क और सामाजिक चुनौतियों के बीच राजस्थान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जनता अपने जनप्रतिनिधियों से बड़ी अपेक्षाएं रखती है, इसलिए सदन में अधिक समय तक सार्थक चर्चा और जनहित के मुद्दों पर गंभीर विमर्श होना चाहिए। पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन राजस्थान के विकास और जनता के हित में सभी को मिलकर काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब संवाद जीवित रहे, असहमति मर्यादा के साथ व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों जनहित को सर्वोपरि रखें। विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं, प्रभावी विधायी विमर्श और जवाबदेह शासन आवश्यक हैं।

### ओम बिरला
लोकसभा अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राजस्थान विधानसभा उनके सार्वजनिक और संसदीय जीवन की पहली पाठशाला रही है। इसी सदन में उन्होंने वरिष्ठ नेताओं से संसदीय परंपराएं, तर्क, संवाद और जनसेवा के संस्कार सीखे। उन्होंने कहा कि हंगामे से नहीं, बल्कि अध्ययन, तथ्य, सार्थक बहस और संवाद से एक जनप्रतिनिधि की पहचान बनती है। सदन में दिया गया अच्छा भाषण और तथ्यपूर्ण बहस इतिहास में लंबे समय तक याद रखी जाती है।

### राजेंद्र राठौड़
पूर्व नेता प्रतिपक्ष

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि विधानसभा का मूल दायित्व केवल कानून पारित करना नहीं, बल्कि प्रत्येक विधेयक पर गंभीर अध्ययन और व्यापक चर्चा करना भी है। उन्होंने कहा कि कई बार महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाले कानून पर्याप्त चर्चा के बिना पारित हो जाते हैं, जो विधायी प्रक्रिया के लिए चिंता का विषय है। राठौड़ ने कहा कि सदन में होने वाली सार्थक चर्चा और जनप्रतिनिधियों के सुझाव किसी भी कानून को अधिक प्रभावी और जनहितकारी बना सकते हैं।

### वसुंधरा राजे
पूर्व मुख्यमंत्री

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने राजस्थान विधानसभा की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सदन प्रदेश के विकास, सामाजिक न्याय और जनकल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों का साक्षी रहा है। विधानसभा ने समय-समय पर ऐसे कानून और नीतियां बनाई हैं, उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता का विश्वास है और जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे सदन में जनता की आवाज को मजबूती से उठाएं।

### सी. पी. राधाकृष्णन
उप-राष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि राजस्थान की धरती वीरता, त्याग, कर्तव्य और देशभक्ति की गौरवशाली परंपरा की प्रतीक है। राजस्थान विधानसभा की 75 वर्षों की लोकतांत्रिक यात्रा में अनेक जनप्रतिनिधियों ने प्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संसद राष्ट्र की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है तो राज्य विधानसभाएं गांव, कस्बे और प्रत्येक परिवार की आशाओं और चिंताओं को आवाज देती हैं।

### टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि राजस्थान विधानसभा की 75 वर्षों की यात्रा आम जनता को अधिकार, राहत और सामाजिक न्याय देने की यात्रा रही है। उन्होंने कहा कि संविधान ने समाज के हर वर्ग को लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रतिनिधित्व का अवसर दिया है और यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती है। उनका लक्ष्य होना चाहिए कि राजस्थान विधानसभा अपनी शताब्दी तक देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभाओं में प्रथम स्थान पर पहुंचे।

### राजपाल सिंह शेखावत
पूर्व विधायक

झोटवाड़ा के पूर्व विधायक राजपाल सिंह शेखावत ने सामाजिक और आर्थिक न्याय से जुड़े कानूनों की चर्चा करते हुए कहा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, उनका प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संविधान के नीति निर्देशक तत्वों का उद्देश्य सभी वर्गों का कल्याण, सामाजिक न्याय की स्थापना, संसाधनों के अत्यधिक केंद्रीकरण को रोकना और कमजोर एवं वंचित वर्गों के हितों की रक्षा करना है।

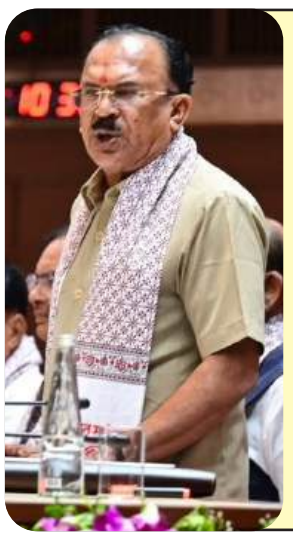

### वासुदेव देवनानी
विधानसभा अध्यक्ष

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पूर्व और वर्तमान विधायकों का समागम इतिहास और वर्तमान का अनूठा संगम है।

पूर्व विधायकों का अनुभव लोकतंत्र की अमूल्य पूंजी है और नई पीढ़ी के जनप्रतिनिधियों को उससे सीखना चाहिए। उन्होंने बताया कि 29 मार्च 1952 को 160 सदस्यों के साथ शुरू हुई राजस्थान विधानसभा की यात्रा में अब तक हजारों जनप्रतिनिधियों ने योगदान दिया है।

### दीपेंद्र सिंह शेखावत
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष

पूर्व राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूरे होने पर पूर्व और वर्तमान सदस्यों के समागम को लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा की गौरवशाली यात्रा में विभिन्न राजनीतिक दलों और पीढ़ियों के जनप्रतिनिधियों ने योगदान दिया है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए सदन की गरिमा, संसदीय मर्यादा और सार्थक संवाद को बनाए रखना आवश्यक है।

### ज्ञानचंद पारख
पूर्व विधायक

पूर्व पाली विधायक ज्ञानचंद पारख ने राजस्थान गौशाला अधिनियम और गौवंश संरक्षण से जुड़े कानूनों पर चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान में गौवंश की रक्षा और गौशालाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि गौवंश संरक्षण केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी से भी जुड़ा मुद्दा है। कानूनों का उद्देश्य गौवंश की रक्षा के साथ उनके परिवहन और संबंधित गतिविधियों को नियंत्रित करना है।

## अन्य वरिष्ठजन

सभी पूर्व एवं वर्तमान विधायकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए लोकगीतों की समृद्ध परंपरा, उनके सांस्कृतिक महत्व और समाज को जोड़ने में उनकी भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि लोकगीत केवल संगीत का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे हमारी लोकसंस्कृति, इतिहास, रीति-रिवाजों, सामाजिक मूल्यों और पीढ़ियों से चली आ रही जीवनशैली के जीवंत दस्तावेज हैं।

उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन से जुड़े कई प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बताया कि लोकगीतों ने हमेशा सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने का कार्य किया है। विभिन्न क्षेत्रों के लोकगीतों में राजस्थान की विविधता, लोक परंपराओं और जनभावनाओं की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जिन्हें संरक्षित रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वक्ताओं ने इस बात पर भी बल दिया कि आधुनिकता और बदलती जीवनशैली के कारण लोककलाओं और लोकसंगीत के प्रति युवाओं का जुड़ाव कम होता जा रहा है, ऐसे में समाज, सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों को मिलकर इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए व्यापक प्रयास करने होंगे।

उन्होंने सुझाव दिया कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, सांस्कृतिक समारोहों तथा सामाजिक आयोजनों में लोकगीतों को अधिक स्थान दिया जाए, ताकि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सके और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हो। साथ ही लोक कलाकारों को सम्मान, प्रोत्साहन और बेहतर मंच उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर सभी पूर्व एवं वर्तमान विधायकों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प दोहराया कि वे लोकगीतों और लोकसंस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी, सांस्कृतिक आयोजनों और युवाओं की सक्रिय सहभागिता से राजस्थान की समृद्ध लोकसंगीत परंपरा आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित, सशक्त और जीवंत बनी रहेगी तथा प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

## मनोरंजन समाचार

### जब भाषा बनी दीवार तो हौसले ने बनाया बॉलीवुड की सुपरस्टार, कैटरीना कैफ ने हर मोर्चे पर रचा इतिहास

कैटरीना कैफ का शुरुआती जीवन किसी आम बच्चे की तरह स्थिर नहीं था। 16 जुलाई 1984 को ब्रिटिश हांगकांग में जन्मीं कैटरीना का बचपन 13 से अधिक देशों के निरंतर प्रवास में बीता। उनके पिता मोहम्मद कैफ के प्रारंभिक अलगाव के बाद उनकी मां सुजैन टरकोट (जो एक समर्पित अंतरराष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता थीं) ने अकेले ही कैटरीना कैफ और उनके सात भाई-बहनों का पालन-पोषण किया। अपनी मां के सामाजिक अभियानों के कारण, कैटरीना कैफ को चीन, जापान, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, पोलैंड और हवाई जैसे विभिन्न देशों में निरंतर भटकना पड़ा, जिससे उनकी शिक्षा किसी पारंपरिक स्कूल के बजाय घर पर ही संपन्न हुई। हवाई में 14 वर्ष की आयु में एक मॉडलिंग प्रतियोगिता जीतने के पश्चात लंदन में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करने वाली कैटरीना कैफ को जल्द ही भारतीय फिल्म निर्माता कैजाद गुस्ताद ने अपनी फिल्म 'बूम' (2003) के लिए साइन कर लिया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी विफलता साबित हुई, जिसका मुख्य कारण कैटरीना कैफ का अपरिचित ब्रिटिश बोलचाल और हिंदी भाषा का शून्य ज्ञान था। यह भाषाई सीमा इतनी गंभीर थी कि इसी कारणवश उन्हें महेश भट्ट की फिल्म 'साया' से निष्कासित कर दिया गया। परंतु, भाषाई बाधा को पार करने के लिए उन्होंने हिंदी और उर्दू के विशेष कोच नियुक्त किए तथा वरिष्ठ अभिनेता जैकी श्रॉफ की सलाह पर देवनागरी लिपि का अध्ययन किया, ताकि वे अपनी स्क्रिप्ट स्वयं पढ़ सकें और संवादों की भावनात्मक गहराई को समझ सकें।

### 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में लौटीं अपूर्वा अरोड़ा, बोलीं- यह मेरे लिए घर वापसी जैसा

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्को सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफुल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, "यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। हम चंडीगढ़ और मोहाली में शूटिंग कर रहे हैं। सेट पर हर कोई बहुत अच्छा और सपोर्टिव है। हमारे डायरेक्टर ने पूरे प्रोसेस को बहुत आरामदायक बना दिया है और हर दिन सेट पर आना बहुत अच्छा लगा है।" अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मोमाकू' में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम 'मोटर, माचिस और कटर' है।

### प्रियंका चोपड़ा के साथ आठ साल की शादी में सबसे अच्छी चीज बॉलीवुड गॉसिप : निक जोनास

सिंगर-एक्टर निक जोनास ने बताया है कि ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा से शादी के बाद उन्हें जो चीज सबसे ज्यादा पसंद है, वह है बॉलीवुड गॉसिप से अपडेट रहना। जोनास ब्रदर्स की नई पॉडकास्ट सीरीज 'हे जोनास!' के एक एपिसोड में, जिसमें निक, प्रियंका चोपड़ा, केविन जोनास और जो जोनास शामिल थे, सिंगर ने मजाक में कहा कि उनकी लगभग आठ साल की शादी का सबसे बड़ा फायदा यह रहा है कि उन्हें बॉलीवुड की ताजा खबरों और गॉसिप के बारे में पता चलता रहता है। निक ने कहा, "इन आठ सालों में मुझे जो चीज सबसे ज्यादा पसंद आई, वह है बॉलीवुड की गॉसिप जो मुझे सुनने को मिली।"

# गॉसिप किंग हैं निक जोनास, प्रियंका से ज्यादा जानते हैं बॉलीवुड के राज, बताई बी-टाउन सेलेब्स में दिलचस्पी की वजह

प्रियंका चोपड़ा लंबे इंतजार के बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं, जिसे लेकर वह काफी चर्चा में हैं। प्रियंका एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी, जिससे उनकी झलक पहले ही साझा की जा चुकी है। एक्ट्रेस के फैंस उनके कमबैक का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच प्रियंका एक और वजह से सुर्खियों में हैं। देसी गर्ल ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके अमेरिकी सिंगर पति निक जोनास को बॉलीवुड गॉसिप्स में काफी दिलचस्पी है और वह उनसे ज्यादा बॉलीवुड के राजों के बारे में जानते हैं। प्रियंका चोपड़ा ने जोनास ब्रदर्स के एक पॉडकास्ट में निक जोनास की बॉलीवुड गॉसिप्स में दिलचस्पी के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान एक्ट्रेस ने कहा कि निक को उनसे ज्यादा बॉलीवुड के बारे में पता होता है। उन्होंने बताया कि अब निक उनके लिए बॉलीवुड गॉसिप्स का सबसे भरोसेमंद जरिया बन गए हैं, क्योंकि उन्हें वो सब पता होता है, जिसके बारे में उन्हें भी जानकारी नहीं होती। प्रियंका के अुसार, निक को इस बारे में भी जानकारी होती है कि बॉलीवुड में किस सेलिब्रिटी का क्या चल रहा है, किसका अफेयर है, किसका ब्रेकअप हो गया, निक सब जानते हैं। प्रियंका चोपड़ा बातचीत के दौरान कहा- 'कभी-कभी जब मैं किसी सेलिब्रिटी से बात कर रही होती हूं और उन्हें कहती हैं कि 'अपने पार्टनर को मेरा प्यार देना' तो निक मुझे टोकते हैं और बताते हैं कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। मुझे तब इसके बारे में पता चलता है।' जब निक के भाई केविन उनसे पूछते हैं तो निक ने बताया कि वह सोशल मीडिया पर बॉलीवुड गॉसिप पेजेस को फॉलो करते हैं, जिनसे उन्हें सब पता चलता है। लेकिन, उन्होंने उन पेजेस का नाम नहीं बताए, जिन्हें वह फॉलो करते हैं। निक का कहना है कि बॉलीवुड में लगातार सेलेब्स के बीच के इक्वेशन बदलते रहते हैं, जिसके चलते इसके बारे में जानना काफी दिलचस्प होता है। प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो देसी गर्ल इन दिनों एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। इस बिग बजट फिल्म में महेश बाबू 'भगवान राम और रुद्र' की भूमिका में नजर आएंगे, प्रियंका चोपड़ा 'मंदाकिनी' की भूमिका निभा रही हैं और पृथ्वीराज सुकुमारन 'कुंभ' की। हाल ही में प्रियंका ने विंबलडन में भी शिरकत की, जहां उनका रॉयल लुक देखने को मिला। इस दौरान प्रियंका, वीडियो कॉल पर निक को सेंटर कोर्ट और ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस एंड क्रोकेट क्लब के शानदार माहौल की झलक दिखाते भी देखा गया। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास की यह मजेदार बातचीत सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रही है। प्रशंसकों ने दोनों की आपसी समझ और सहज रिश्ते की सराहना करते हुए कहा कि दोनों अक्सर एक-दूसरे की संस्कृति और पेशे को लेकर खुलकर बात करते हैं। निक का भारतीय फिल्म उद्योग और उससे जुड़ी खबरों में रुचि लेना भी प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रियंका ने कई अवसरों पर कहा है कि निक भारतीय संस्कृति, त्योहारों और परंपराओं का सम्मान करते हैं।

## 'मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना चाहिए', अंजना सुखानी ने बॉलीवुड के सफर का बताया अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। इस कड़ी में आईएएनएस के साथ बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ''मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है।

उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। दुनियाभर के कलाकार उनके साथ काम करने का सपना देखते हैं और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे यह मौका मिला। फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा, खासकर नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ के साथ। नसीर साहब के साथ काम करना किसी लाइव मास्टरक्लास जैसा अनुभव है। उन्हें देखकर ही अभिनय की बहुत सारी चीजें सीखी जा सकती हैं।'' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ''मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। हालांकि, ट्रेलर लॉन्च और शूटिंग के दौरान कुछ मुलाकातें जरूर हुईं। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जब मैंने दोनों का पहला सीन देखा तो मैं काफी प्रभावित हुई। वे फिल्म में नई ऊर्जा लेकर आए हैं।''

## अनुपम खेर ने सतीश कौशिक की बेटी वंशिका को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई, शेयर की पुरानी यादें

दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक की बेटी वंशिका कौशिक बुधवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस अवसर पर अभिनेता अनुपम खेर ने उन्हें खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वंशिका के साथ अपनी कुछ यादगार तस्वीरें और वीडियो साझा किए। साझा की गई तस्वीरों और वीडियो में वंशिका के बचपन से लेकर अब तक की यादें हैं।

इनमें वह अपने पिता सतीश कौशिक और अनुपम खेर के परिवार के साथ नजर आ रही हैं। पहले वीडियो में अनुपम खेर वंशिका से बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में सतीश कौशिक, अनुपम खेर और वंशिका साथ में मस्ती करते नजर आ रहे हैं।

अनुपम खेर ने पोस्ट में लिखा, "सबसे प्यारी वंशिका बेटा, तुम्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।

भगवान तुम्हें दुनिया की हर खुशी, अच्छा स्वास्थ्य और खूबसूरत जिंदगी दें, साथ ही तुम्हारे हर सपने को पूरा करें।" उन्होंने आगे लिखा, "तुम हमेशा से मेरी बेटी की तरह रही हो। जब सतीश हमारे साथ थे, तब भी मैं तुम्हें अपनी बेटी और अपनी दोस्त मानता था। कुछ रिश्ते खून के नहीं होते, बल्कि प्यार, भरोसे और अपनापन से बनते हैं।

हमारा रिश्ता भी ऐसा ही है।" अनुपम खेर ने वंशिका से वादा करते हुए लिखा कि वह जीवन के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा, "कई बार अपने प्यार को शब्दों में कहना आसान नहीं होता, लेकिन आज मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा।

## 'दिल्ली आकर खुद अनशन खत्म करवाऊंगी', जंतर-मंतर कूच करेंगी राखी सावंत

जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद सोनम वांगचुक के दिल्ली में चल रहे अनिश्चितकालीन अनशन को लेकर अब मनोरंजन जगत की मशहूर हस्ती राखी सावंत भी उनके समर्थन में उतर आई हैं। पिछले कई दिनों से जारी इस भूख हड़ताल के कारण वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार गिर रहा है, जिसे लेकर देश भर में चिंता जताई जा रही है।

इसी बीच मुंबई में मौजूद राखी सावंत ने सोशल मीडिया के माध्यम से वांगचुक से अपना आंदोलन खत्म करने और अपनी जान जोखिम में न डालने की पुरजोर अपील की है। राखी ने साफ कहा कि वह इस मुहिम में उनके साथ हैं और उनके स्वास्थ्य को लेकर बेहद चिंतित हैं। राखी सावंत ने वांगचुक के लिए एक बेहद सीधा और भावुक संदेश साझा करते हुए कहा, 'प्लीज, सोनम जी, मैं रिक्वेस्ट करती हूं।

## करिश्मा कपूर ने सुनाया सलमान खान से जुड़ा दिलचस्प किस्सा, 'थकान के बावजूद पूरे स्वैग के साथ किया था 'ओ ओ जाने जाना'

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने अपने फिल्मी करियर में कई बड़े सितारों के साथ काम किया है, लेकिन सलमान खान के साथ बिताए गए शूटिंग के दिनों की यादें आज भी उनके लिए बेहद खास हैं। इस कड़ी में उन्होंने डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' के मशहूर गाने 'ओ ओ जाने जाना' की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि उस समय सलमान लगातार कई शिफ्ट में काम कर रहे थे और बेहद थके हुए रहते थे। इसके बावजूद उन्होंने इस गानेकी शूटिंग पूरे जोश के साथ की, जो बाद में चार्टबस्टर साबित हुआ। इन दिन करिश्मा कपूर 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में जज की भूमिका में नजर आ रही है। दरअसल, हालिया एपिसोड में कंटेस्टेंट प्रथमेश ने सलमान खान के सुपरहिट गाने 'ओ ओ जाने जाना' पर शानदार डांस किया। उनकी परफॉर्मेंस से प्रभावित होकर करिश्मा ने खड़े होकर तालियां बजाईं और इसके बाद सलमान खान से जुड़ी पुरानी यादों को साझा किया। करिश्मा कपूर ने कहा, "सच कहूं तो मैं इस वक्त बहुत इमोशनल हूं, क्योंकि यह सलमान का गाना है। मुझे आज भी याद है कि जब यह गाना रिलीज हुआ था, तब हम सभी लगातार कई शिफ्ट में काम कर रहे थे। उस गाने में सलमान खान जैसा कोई नहीं हो सकता।"

## भीड़ के बीच भी खुद को तन्हा महसूस करती हैं अविका गौर, शेयर किया भावुक नोट

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अविका गौर ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपने अकेलेपन और अपने वजूद को लेकर पोस्ट शेयर किया।

अभिनेत्री ने बताया कि अकेलापन हमेशा अकेले रहने से महसूस नहीं होता, बल्कि कई बार आप सैकड़ों लोगों के बीच मौजूद रहकर भी समझ नहीं पाते कि हो क्या रहा है। अभिनेत्री अविका गौर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट शेयर करते हुए लिखा, "हाल ही के दिनों में मैंने महसूस किया है कि अकेलापन सिर्फ कमरे में अकेले रहने का नाम नहीं है, क्योंकि कई बार हम बहुत सारे लोगों के बीच होते हैं, फिर भी हम बिल्कुल पराया और अकेला महसूस करते हैं। ऐसे समय में दोस्तों और जिनसे करीबी रिश्ता है, उनके बीच जगह बनाना बहुत थका देने वाला होता है। आप जितनी भी कोशिश करें। लोग या तो सोचते हैं कि आपको उनकी जरूरत नहीं है या फिर आपको जरूरत से ज्यादा उनसे जुड़ने वाला समझ लेते हैं।"

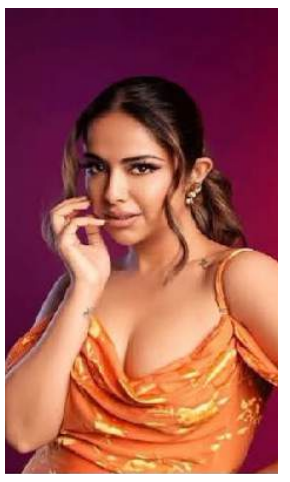

## सार समाचार

# 'सीरिया और लेबनान से सेना को हटाएं', जानें ट्रंप के आग्रह पर क्या बोला इजरायल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से टेलीफोन पर बातचीत के दौरान दक्षिणी सीरिया और दक्षिणी लेबनान से इजरायली सेना हटाने का आग्रह किया था। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने कहा कि इन क्षेत्रों में इजरायल की लगातार सैन्य मौजूदगी से पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ सकता है। रिपोर्ट में अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा, 'वे आपको वहां नहीं चाहते। आपको अपनी सेना वापस बुला लेनी चाहिए।' एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, ट्रंप ने दक्षिणी लेबनान में तैनात इजरायली सेना के संबंध में भी यही संदेश दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह बातचीत उस दिन के एक दिन बाद हुई, जब ट्रंप ने तुर्किये में आयोजित NATO समिट के दौरान सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा से मुलाकात की थी। सम्मेलन के दौरान अमेरिका ने इजरायल और सीरिया के बीच नई सुरक्षा व्यवस्था तैयार करने की दिशा में भी पहल की।

हालांकि व्हाइट हाउस ने इस फोन बातचीत के विवरण पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन रिपोर्ट का खंडन भी नहीं किया।

एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बीच मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि इजरायल हमेशा अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है और ट्रंप इजरायल के बड़े समर्थक होने के साथ शांति स्थापित करने के भी पक्षधर हैं। बताया जा रहा है कि नेतन्याहू ने ट्रंप के सुझाव से असहमति जताई।

उनका कहना था कि दक्षिणी सीरिया और दक्षिणी लेबनान में इजरायली सेना की मौजूदगी देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए जरूरी है। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री ने इजरायल की सीमाओं के पास 'सुरक्षा क्षेत्र' बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका पिछले कई महीनों से इजरायल और सीरिया के बीच नए सुरक्षा समझौते की कोशिश कर रहा है।

## ईरान से युद्ध के बीच उसके पड़ोसी देश इराक से अपनी सेना क्यों वापस बुलाने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप?

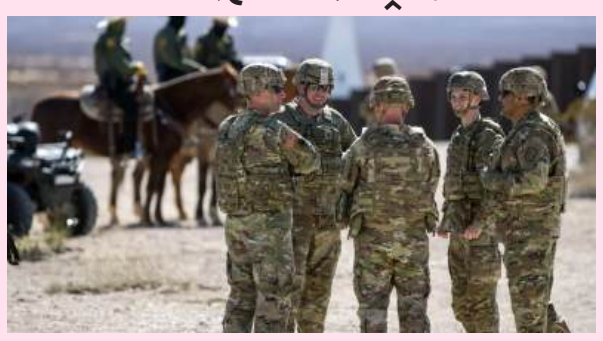

अमेरिका और इराक ने ऐलान किया है कि अमेरिकी फौज सितंबर के आखिर तक इराक की जमीन से हट जाएगी। इसके साथ ही, इराक में 23 साल से चल रही अमेरिकी सैन्य तैनाती खत्म हो जाएगी। जान लें कि इराक में अमेरिकी सेना की तैनाती साल 2003 में सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाने के लिए किए गए अटैक के साथ शुरू हुई थी और बाद में आतंकी संगठन ISIS के खिलाफ अभियानों पर फोकस हो गई थी। बता दें कि बीते मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इराकी प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने व्हाइट हाउस में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और उसमें डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब इराक में मिलिट्री की मौजूदगी को जरूरी नहीं मानता है।

इस दौरान, डोनाल्ड ट्रंप ने इराक के अमेरिकी पेट्रोलियम कंपनियों के साथ बढ़ते कमर्शियल रिश्तों का जिक्र भी किया। डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा, 'यह एक व्यापक रिश्ता है जिसमें हमें आर्मी की मौजूदगी की जरूरत नहीं है। हम इराक में उनकी मदद करने के लिए हैं। हम उनकी सुरक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर वहां मौजूद रहेंगे। लेकिन अमेरिका को ऐसा नहीं लगता कि अब इसकी जरूरत पड़ेगी।' वहीं, संयुक्त घोषणा को दोहराते हुए इराकी प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने कहा, 'अमेरिकी फौज 30 सितंबर तक इराक की जमीन से हट जाएगी, हालांकि अमेरिकी कंपनियां इराक में बनी रहेंगी।' पेंटागन ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों की वापसी, इराक के साथ 2024 में हुई उस डील की पुष्टि करती है, जिसके अंतर्गत ISIS के खिलाफ अमेरिकी नेतृत्व वाले मिशन को खत्म करना है। हालांकि, इराक से हटने के बाद ISIS ने अपनी जड़ें अफ्रीका में जमाईं। संयुक्त राष्ट्र भी इसको लेकर चिंता जाहिर कर चुका है।

## 'यह मत समझिए कि पहले जैसा ही जवाब मिलेगा', नेतन्याहू ने ईरान को दी कड़ी चेतावनी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने दोबारा इजरायल पर हमला किया तो इस बार उसे पहले से कहीं ज्यादा ताकतवर जवाब मिलेगा। उन्होंने साफ कहा कि ईरान यह उम्मीद न करे कि हमला करने के बाद इजरायल शांत रहेगा या पहले जैसी प्रतिक्रिया देगा। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल की सेना और सुरक्षा एजेंसियां किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नेतन्याहू ने कहा कि अब इजरायल ने अपनी रणनीति बदल दी है। अब अगर कोई देश या संगठन इजरायल को नुकसान पहुंचाएगा तो उसे कई गुना ज्यादा जवाब दिया जाएगा। इजरायल की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

## भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना, 8 महीने तक करेंगे शोध

भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन रूस के सोयुज MS-29 अंतरिक्ष यान से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने कजाकिस्तान के ऐतिहासिक बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से रूसी अंतरिक्ष यात्रियों प्योत्र दुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ उड़ान भरी। यह दुब्रोव और किकिना दोनों के लिए दूसरा मिशन होगा। उम्मीद है कि ये तीनों 2027 में पृथ्वी पर लौटने से पहले लगभग आठ महीने तक वैज्ञानिक शोध और टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रयोग करेंगे। मंगलवार रात 8:17 बजे उड़ान भरने वाला यह अंतरिक्ष यान तीन घंटे से कुछ अधिक समय के बाद ऑर्बिटल लैबोरेटरी (कक्षीय प्रयोगशाला) से जुड़ेगा। नासा (NASA) का कहना है कि वह एडवांस्ड मेडिकल और टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रयोगों में भी हिस्सा लेंगे, जिसमें अल्ट्रासाउंड प्रक्रियाएं शामिल हैं। इन प्रक्रियाओं में भविष्य के डीप स्पेस मिशनों के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों की मदद के लिए ऑगमेंटेड रियलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, मिशन के दौरान अनिल मेनन यह समझने के लिए महत्वपूर्ण शोध में हिस्सा लेंगे कि मानव शरीर अंतरिक्ष के माहौल में कैसे ढलता है। शोधकर्ता माइक्रोग्रैविटी (कम गुरुत्वाकर्षण) में रक्त के प्रवाह, नसों की संरचना और रक्त की बनावट का अध्ययन करेंगे। वह स्टेशन के पीने योग्य पानी का उपयोग करके इंट्रावेनस (IV) फ्लूइड बनाने के परीक्षण में भी मदद करेंगे। यह एक ऐसी नई तकनीक है जो भविष्य में चंद्रमा और मंगल ग्रह के लंबे मिशनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। अनिल मेनन मूल रूप से भारतीय है।

## होर्मुज में टकराव चरम पर! अमेरिकी नाकाबंदी और ईरान की चेतावनी से गहराया संकट

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुज़रने की कोशिश कर रहे जहाजों पर ईरान के हमलों के जवाब में जहां अमेरिका ने एक बार फिर ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकाबंदी लागू कर दी है वहीं एयर स्ट्राइक का अभियान भी तेज कर दिया। इस दौरान एयर स्ट्राइक में ईरान के सात सैनिकों के मारे जाने और 260 से ज्यादा के घायल होने की खबर है। ईरानी अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि अमेरिकी हमलों में ईरान की सेना की एक बैरक पर निशाना साधा गया। वहीं ईरान ने मिडिल ईस्ट से एनर्जी एक्सपोर्ट को रोकने की धमकी दी है।

इससे एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा संकट गहराता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक सात घंटे तक चले अमेरिकी अभियान में ईरान के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इनमें सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में 388वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड की बैरक भी शामिल है। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक इस हमले में कम से कम सात सैनिक मारे गए, जबकि देशभर में 260 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हाल के दिनों में कुल 30 से अधिक लोगों की मौत होने का भी दावा किया गया है। उधर, ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन की दिशा में मिसाइल और ड्रोन दागे। इन देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। जॉर्डन ने दावा किया कि उसने तीन मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। दरअसल, अमेरिका ने सबसे पहले अप्रैल में ईरान के खिलाफ नाकेबंदी लागू की थी और फिर पिछले महीने अंतरिम समझौते पर साइन करने के बाद इसे हटा लिया था। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर लड़ाई तेज़ होने के कारण ये बातचीत रुक गई है।

## भारत-UK FTA, व्यापार समझौतों का 'न्यू गोल्ड स्टैंडर्ड': ब्रिटिश उच्चायुक्त

भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लागू होने को दोनों देशों के संबंधों में एक "ऐतिहासिक क्षण" बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता व्यापार, निवेश, रोजगार और आर्थिक सहयोग के नए अवसर खोलेगा तथा दोनों देशों की साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। समझौते के लागू होने पर आयोजित प्रेस वार्ता में कैमरन ने कहा कि भारत-यूके एफटीए आज से प्रभावी हो गया है। उन्होंने इसे आधुनिक भारत-ब्रिटेन संबंधों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा, "इससे लंबे समय में दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार में 25 अरब पाउंड से अधिक की वृद्धि होने की संभावना है, जबकि दोनों देशों की संयुक्त जीडीपी में लगभग 5 अरब पाउंड का इजाफा हो सकता है।" उन्होंने कहा कि इस समझौते से आयात शुल्क में कमी, बाजार तक बेहतर पहुंच और कारोबार करने की प्रक्रिया आसान होने से छोटे-बड़े सभी व्यवसायों को लाभ मिलेगा। कैमरन ने बताया कि नए कोटा सिस्टम के तहत ब्रिटेन में निर्मित प्रीमियम कारों पर भी आयात शुल्क धीरे-धीरे कम होगा, जिससे प्रतिष्ठित ब्रिटिश ऑटोमोबाइल ब्रांड भारतीय ग्राहकों के लिए अधिक किफायती बनेंगे।

उन्होंने इस समझौते को "व्यापार समझौतों का नया गोल्ड स्टैंडर्ड" बताते हुए कहा कि यह अब तक दोनों देशों के बीच सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता है। इसमें वस्तुओं, सेवाओं, सरकारी खरीद और अन्य क्षेत्रों से जुड़े 30 चैप्टर्स शामिल हैं।

## अमेरिका में जग्गू भगवानपुरिया गैंग के गैंगस्टर पर बड़ा एक्शन, FBI ने मोस्ट वांटेड लिस्ट में किया शामिल

अमेरिकी एजेंसियों ने गैंगस्टर्स पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। दरअसल, FBI ने जग्गू भगवानपुरिया गैंग से जुड़े गैंगस्टर नीतीश कौशल को अपनी Most Wanted List में शामिल कर लिया है। जान लें कि नीतीश कौशल पर अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट का सक्रिय सदस्य होने का आरोप है। FBI के अनुसार, गैंगस्टर नीतीश कौशल सिंडिकेट हत्या, अपहरण, ड्रग तस्करी, रंगदारी, हथियारों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसी वारदातों में शामिल रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, जग्गू भगवानपुरिया गैंग के ऑर्गेनाइज्ड क्राइम ग्रुप की शुरुआत पंजाब से हुई और इसका नेटवर्क अमेरिका के कैलिफोर्निया समेत कई देशों तक फैला हुआ है। आरोप है कि नीतीश कौशल ने जग्गू भगवानपुरिया गैंग के लिए अपहरण, हमला और अन्य हिंसक वारदातों को अंजाम दिया है। 25 जून, 2026 को अमेरिका के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया की संघीय अदालत ने नीतीश कौशल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उस पर Racketeer Influenced and Corrupt Organizations Conspiracy के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले, FBI के Operation Hard Ball के तहत अमेरिका, कनाडा और यूरोप में जग्गू भगवानपुरिया गैंग के खिलाफ बड़े पैमाने पर छापेमारी और कार्रवाई की गई थी। अमेरिकी एजेंसियां अब जग्गू भगवानपुरिया गैंग के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर लगातार शिकंजा कस रही हैं। गौरतलब है कि FBI ने इंटरनेशनल क्राइम सिंडिकेट के खिलाफ चलाए जा रहे अपने अभियान को 'Operation Hard ball' नाम दिया है।

## बिटकॉइन 'हराम' है! पाकिस्तान के मौलाना ने जारी किया फतवा, जानें क्या हो सकता है उसका असर

आपको बता दें कि पाकिस्तान जब खुद को क्रिप्टो करेंसी के लिए इस दुनिया में एक अनुकूल देश साबित करने में लगा हुआ है और क्रिप्टो को बढ़ावा देने में लगा हुआ है, ठीक उसी समय एक मौलाना के कारण पाकिस्तान के इस योजना में रुकावट आ गई है। दरअसल पाकिस्तान के सबसे प्रभावशाली मौलानाओं में से एक मुफ़्ती मुहम्मद तकी उस्मानी ने क्रिप्टो करेंसी को इस्लाम में हराम बताते हुए फतवा जारी कर दिया। उन्होंने बिटकॉइन, इथेरियम और स्टेबलकॉइन्स समेत क्रिप्टोकरेंसी की ट्रेडिंग को इस्लामिक कानून के तहत 'हराम' घोषित कर दिया। आइए आपको बताते हैं कि फतवा में क्या कुछ कहा गया है। आपको बता दें कि पाकिस्तान के कराची में स्थित दारुल उलूम कराची के मुख्य इस्लामी विद्वान मुफ्ती मोहम्मद तकी उस्मानी ने क्रिप्टो करेंसी को हराम बताते हुए इसके खिलाफ फतवा जारी कर दिया है। उन्होंने बिटकॉइन के साथ एथेरियम और USDT और अन्य सभी स्टेबलकॉइन को हराम बताया है। इसके संबंध में उन्होंने एक फतवा जारी किया है जिसे कई दूसरे इस्लामिक विद्वानों का भी समर्थन मिला है। बता दें कि उस फतवे में कहा गया है कि इस्लामिक शरिया के तहत इस तरह की डिजीटल प्रोपर्टी या फिर धन की खरीद या फिर बिक्री की इजाजत नहीं है। उस फतवे में आगे कहा गया है कि क्रिप्टोकरेंसी, वर्चुअल करेंसी, टोकन या फिर स्टेबलकॉइन हो, यह सब डिजीटल प्रोपर्टी की एक ही श्रेणी में आते हैं और नाम बदल देने से धार्मिक फैसला नहीं बदलता है और इसी कारण यह फैसला बिटकॉइन के साथ ही साथ दूसरे क्रिप्टो करेंसी पर भी लागू होता है। आइए अब यह समझने की कोशिश करते हैं कि मौलाना की तरफ से बिटकॉइन को हराम बताते हुए जो फतवा जारी किया गया है, उसका असर ट्रंप और पाकिस्तान पर कैसे हो सकता है। आपको बता दें कि ट्रंप और उनके परिवार ने क्रिप्टो करेंसी के जरिए पैसे कमाने के लिए WLF यानी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल नाम की एक कंपनी बनाई और यह कंपनी ट्रंप, उनके परिवार के लोग और कुछ करीबी पार्टनर चलाते हैं। यह भी जान लीजिए कि इस कंपनी का मेन प्रोडक्ट USD1 नाम का डॉलर पेग्ड स्टेबलकॉइन है। अब पाकिस्तान ने इसी साल की शुरुआत यानी जनवरी में WLF की सहयोगी कंपनी SC फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी के साथ एक समझौता किया था और उस समझौते में WLF का प्रोडक्ट यानी USD1 स्टेबलकॉइन पाकिस्तान में क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स की बात कही गई थी और कंपनी के CEO जैक विटकॉफ ने इस्लामाबाद में इस डील को पक्का किया था। फतवा जारी होने के बाद बड़ी आबादी क्रिप्टो को हराम समझकर इसका यूज करने से दूरी बना सकती है।

## कौन हैं जयपुर से कनेक्शन वाली रिद्धि चौहान? जो 17 साल की उम्र में अमेरिकन नेवी जूनियर रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स में बनीं बटालियन कमांडर

17 साल की जिस उम्र में ज्यादातर बच्चे स्कूल जा रहे होते हैं, उस आयु में अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहने वाली भारतीय मूल की रिद्धि चौहान, नेवी जूनियर रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स में बटालियन कमांडर के रूप में 300 कैडेट का नेतृत्व कर रही हैं। यह इस प्रोग्राम में स्टूडेंट्स के लिए सबसे ऊंचा पद है। रिद्धि चौहान ने क्वींस के बेंजामिन एन. कार्डोजो हाई स्कूल में पढ़ती हैं। रिद्धि चौहान की माता का नाम रुचिका और उनके पिता दिलीप चौहान हैं। उनकी फैमिली मूल रूप से राजस्थान की राजधानी जयपुर के रहने वाला है। हालांकि, अब रिद्धि चौहान अपने माता-पिता के साथ न्यूयॉर्क में रहती हैं। उनकी बहन का नाम काहिनी गुप्ता चौहान हैं, जो मेडिकल के पेशे में काम करती हैं। रिद्धि चौहान अब नेवल एकेडमी प्रिपरेटरी स्कूल में जाने की तैयारी कर रही हैं, जो यूनाइटेड स्टेट्स नेवल एकेडमी तक पहुंचने का एक महत्वपूर्ण कदम है। जान लें कि NJROTC एक लीडरशिप प्रोग्राम है जिसको US नेवी का सपोर्ट मिला हुआ है।

यह अमेरिका के हाई स्कूलों में चलाया जाता है। यह प्रोग्राम अनुशासन, टीमवर्क और चरित्र निर्माण पर फोकस करता है। रिद्धि चौहान का मानना है कि उन्होंने स्कूल में योगदान देने का एक सार्थक तरीका खोजने और अपनी लीडरशिप स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए इसमें भाग लिया। यही एक्सपीरियंस आगे चलकर नेवल ऑफिसर बनने के उनके सपने को पूरा करने में मदद करेगा। नेवी जूनियर रिजर्व ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉर्प्स में बटालियन कमांडर के ऊंचे पद तक पहुंचने के लिए रिद्धि ने एकेडमिक कमांडर, STEM कमांडर, प्लाटून लीडर और इंस्पेक्शन कमांडर जैसे पदों पर अहम जिम्मेदारी निभाई है। एकेडमिक कमांडर के रूप में, रिद्धि चौहान ने अपने स्कूल की टीम को लगातार 2 साल 'लीडरशिप एंड एकेडमिक बाउल' के दूसरे चरण तक पहुंचाने और नेशनल एकेडमिक एग्जाम में पहला नंबर दिलाने में कामयाबी पाई। STEM कमांडर के रूप में काम करते हुए रिद्धि चौहान ने कैडेट्स का नेतृत्व किया और यूनिट का पहला 'सी-पर्च' अंडरवॉटर रोबोट शुरू से तैयार करवाया।

## 'रिपब्लिक ऑफ बलोचिस्तान' का बड़ा दावा, 85% इलाके पर किया नियंत्रण, राष्ट्रीय गान और खुद की करेंसी भी अपनाई

रिपब्लिक ऑफ बलोचिस्तान के नाम से जारी एक बयान में दावा किया गया है कि उसने बलोचिस्तान के 85 प्रतिशत क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है।

स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। बयान के अनुसार, बलोचिस्तान ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा करते हुए राष्ट्रीय गान 'मा चुकैन बलोचानी' (Ma Chukain Balochani), राष्ट्रीय ध्वज और 'बलोची फालुस' (Balochi Falus) नाम की करेंसी अपनाने का दावा किया है।

बलोच सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता, पत्रकार और मानवाधिकार समर्थक मीर यार बलोच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्र शेयर किया है।

इस पत्र में यह भी दावा कहा गया है कि बलोच सुरक्षा एवं रक्षा बल अब क्षेत्र का प्रशासन संभाल रहे हैं।

साथ ही दावा किया गया है कि सोने और तांबे की खदानों, 150 से अधिक गैस क्षेत्रों और 1,200 से ज्यादा कोयला खदानों पर उनका नियंत्रण है। दावे के मुताबिक, बलूचिस्तान की सेना, नौसेना, वायु सेना और नागरिक प्रशासन के 5,00,000 कर्मियों का बल 2026 के अंत तक पाकिस्तान की कब्जा करने वाली सेनाओं को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है।

हालांकि, बयान में स्वीकार किया गया है कि उनके पास लड़ाकू विमान, टैंक, मिसाइल या भारी हथियार नहीं हैं। साथ ही बयान में यह भी दावा किया गया है कि बड़ी संख्या में बलोच और कुछ पश्तून समुदाय के लोग पाकिस्तान की सेना, पुलिस, फ्रंटियर कॉर्प्स और लेवीज से इस्तीफा दे रहे हैं। इससे दुनिया को एक साफ संदेश जाता है।

# संपादकीय

## पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 2.65 लाख से अधिक घरों पर लगे रूफटॉप सोलर संयंत्र

**जयपुर, ज़ूम न्यूज़**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर 1 हजार मेगावाट रूफटॉप सोलर स्थापित क्षमता का कीर्तिमान बनाया है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत राज्य में अब तक 2 लाख 65 हजार से अधिक घरों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं। जिससे कुल स्थापित रूफटॉप सोलर क्षमता 1001.57 मेगावाट तक पहुंच गई है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मार्गदर्शन में संचालित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बड़ी संख्या में आमजन लाभान्वित हो रहे हैं। साथ ही, इस योजना से प्रदेश में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने रूफटॉप सोलर क्षमता की इस उपलब्धि के लिए ऊर्जा विभाग और डिस्कॉम्स के कार्मिकों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश के अधिक से अधिक घरों तक स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि रूफटॉप सोलर संयंत्रों के विस्तार से न केवल उपभोक्ताओं के बिजली बिल में कमी आ रही है, बल्कि पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता भी घट रही है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि रूफटॉप सोलर संयंत्रों के माध्यम से उत्पादित बिजली का उपयोग घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ अतिरिक्त बिजली को विद्युत ग्रिड में भेजने के लिए भी किया जा सकता है। इससे उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ मिलने के साथ-साथ राज्य के ऊर्जा तंत्र को भी मजबूती मिल रही है। योजना के विस्तार से बिजली की बढ़ती मांग को स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से पूरा करने में सहायता मिल रही है। राज्य सरकार का कहना है कि हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना उसकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

## लोकतंत्र को सशक्त बनाने में मीडिया की भूमिका अहम - नवीन महाजन

**जयपुर, ज़ूम न्यूज़**

जयपुर। लोकतंत्र को अधिक सशक्त, सहभागी और जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (IIIDEM), नई दिल्ली तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के सहयोग से बुधवार को 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्शंस, मीडिया एंड वोटर एजुकेशन : स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेसी थ्रू इन्फॉर्म्ड पार्टिसिपेशन' का सफल आयोजन किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के महानिदेशक (मीडिया) आशीष गोयल ने मुख्य वक्तव्य में कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए जागरूक मतदाता और जिम्मेदार मीडिया दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग अब इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ELC) को देशव्यापी जन-जागरूकता अभियान के रूप में विस्तार देगा। इसके तहत देश के प्रत्येक विद्यालय में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब स्थापित किए जाएंगे।

## जीरो टॉलरेंस नीति के साथ अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाए— मुख्य सचिव

**जयपुर, ज़ूम न्यूज़**

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, अपराध नियंत्रण को प्रभावी तथा आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। मुख्य सचिव बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित गृह विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश की कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाने के क्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा गत बैठक में दिए गए निर्देशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों को प्रत्येक माह नियमित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित करने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि जटिल मामलों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अपराधियों के साथ किसी भी स्तर पर मिलीभगत अथवा अनुचित संरक्षण की शिकायत नहीं आनी चाहिए। ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अपराध की गंभीरता के अनुरूप अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए तथा संगठित अपराध के हॉटस्पॉट चिन्हित कर वहां विशेष अभियान चलाए जाएं। साथ ही थाना स्तर पर सीएलजी की नियमित बैठकें आयोजित की जाएं, जिनमें यथासंभव उच्चाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो।

## नार्को-टेररिज्म पर निर्णायक प्रहार- 7502 तस्कर गिरफ्तार,692 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

**जयपुर, ज़ूम न्यूज़**

जयपुर। युवा पीढ़ी और राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने की साजिश यानी 'नार्को-टेररिज्म' के खिलाफ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा शुरू किए गए अभियान में राजस्थान ने पूरी मुस्तैदी से रिकॉर्ड कार्रवाईयों को अंजाम दिया है। गत 31 मार्च, 2026 से शुरू किए गए देशव्यापी तीन वर्षीय नशा मुक्ति अभियान के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में अवैध नशे के सौदागरों के खिलाफ मिशन मोड ऑन कर दिया है। अक्टूबर, 2025 में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के गठन के बाद प्रदेश में एनडीपीएस के 5 हजार 951 प्रकरण दर्ज कर 7 हजार 502 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाइयों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है।

## विश्व युवा कौशल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित, कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

**जयपुर, ज़ूम न्यूज़**

जयपुर। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में प्रत्येक वर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार, गरिमापूर्ण कार्य एवं उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा कौशल विकास को बढ़ावा देना है। बुधवार को विश्व युवा कौशल दिवस का 12वाँ आयोजन किया गया। इसी क्रम में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर , जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री के.के. बिश्नोई ने की। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए युवाओं, प्रशिक्षार्थियों, प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा विभागीय अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर रामगोपाल सुथार, अध्यक्ष, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड, संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग एवं अध्यक्ष, राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम, ऋषभ मण्डल, आयुक्त, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग एवं प्रबंध निदेशक, राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम, राघवेंद्र सिंह, संयुक्त निदेशक, रोजगार सेवा निदेशालय, मुनीश कुमार शर्मा, निदेशक प्रशिक्षण तथा श्री कुलराज मीना, महाप्रबंधक, राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम भी उपस्थित रहे।

के.के. बिश्नोई ने विभागीय प्रकाशन 'रोजगार संदेश' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि विश्व युवा कौशल दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि प्रदेश और देश के भविष्य को संवारने का संकल्प है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके युवाओं के कौशल और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। आज की तेजी से बदलती दुनिया में केवल शिक्षा ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उपयुक्त कौशल सफलता की कुंजी बन चुका है। कौशल विकास न केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन है बल्कि आत्मनिर्भरता, नवाचार तथा सामाजिक परिवर्तन का आधार भी है।इन सत्रों में सोलह पूर्व एवं वर्तमान अनुभवी विधायकगण 24 कानूनों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की लगभग 28 से 30 प्रतिशत आबादी युवा है और आने वाले वर्षों में यह संख्या और बढ़ेगी।

## आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस 5.0) पर राज्य स्तरीय जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर। बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संयोजन में कार्यरत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) द्वारा बुधवार को भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही "आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना" पर राज्य स्तरीय जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार वी श्रीनिवास रहे। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने ईसीएलजीएस 5.0 योजना की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "भारत सरकार द्वारा शुरु की गई यह योजना अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता के लिए एक अच्छी पहल है, विशेष कर तब जब कि पूरी दुनिया भू-राजनितिक संकट की चुनौतियों से जूझ रही हो। पश्चिम एशिया क्षेत्र में उभरे तनाव के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी मजबूत स्थिति में है।

## महिला समृद्धि बैंक की मालदास स्ट्रीट शाखा का 26वां स्थापना दिवस, डिजिटल बैंकिंग में बनाई विशिष्ट पहचान

**एजेंसी, ज़ूम न्यूज़**

उदयपुर। उदयपुर के मालदास स्ट्रीट स्थित महिला समृद्धि बैंक की शाखा का 26वां स्थापना दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर बैंक परिसर में एक विशेष ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक की उन्नति में सारथी बने विशिष्ट सदस्यों और ग्राहकों को सम्मानित किया गया।

25 वर्षों के सफर में की उल्लेखनीय प्रगति, ये ग्राहक हुए सम्मानित बैंक अध्यक्षा डॉ. किरण जैन ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बताया कि मालदास स्ट्रीट शाखा ने अपने 25 वर्षों के सफल कार्यकाल में व्यावसायिक रूप से उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है।

स्थापना दिवस के इस खास मौके पर बैंक को नई ऊर्जा, प्रगति और व्यापार प्रदान करने वाले प्रमुख ग्राहकों को मंच पर सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वाले विशिष्ट ग्राहकों में शामिल हैं-धाकड़ सेल्स, नवरत्न ज्वेलर्स, गगन व्यास।

संगोष्ठी के दौरान बैंक प्रबंधन द्वारा ग्राहकों को वर्तमान में दी जा रही विभिन्न आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

डॉ. किरण जैन ने बैंक की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में महिला समृद्धि बैंक ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। आज यह बैंक अपने ग्राहकों को सभी प्रकार की आधुनिक डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है।

कार्यक्रम में मौजूद संचालक मंडल के सदस्यों ने शाखा की स्थापना के शुरुआती दिनों से लेकर आज तक की शानदार और गौरवपूर्ण यात्रा को याद किया। उन्होंने बैंकिंग के साथ-साथ समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति बैंक की निरंतर प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराया।

इस गरिमामयी समारोह का कुशल संचालन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) विनोद चपलोत ने किया। कार्यक्रम के समापन पर बैंक उपाध्यक्षा विमला मूंदड़ा ने उपस्थित सभी अतिथियों और ग्राहकों का आभार व्यक्त किया।

## राज्यपाल बागडे की पहल पर ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर आदिवासी संस्कृति संरक्षण के लिए होगा कार्य

**एजेंसी, ज़ूम न्यूज़**

उदयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की पहल पर प्रदेश में आदिवासी धरोहर संरक्षण हेतु ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से विशेष कार्य किया जाएगा। राज्यपाल बागडे द्वारा इस संबंध में ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल को पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर आने का निमंत्रण दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि राज्यपाल बागडे से लोकभवन में उच्चस्तरीय राजनयिक, वाणिज्यिक महादूत पॉल मर्फी ने मुलाकात की थी।

इस दौरान हुई चर्चा में ऑस्ट्रेलियाई आदिवासी (एबोरिजिनल ओरिजिन पीपल इन ऑस्ट्रेलिया) और राजस्थान के आदिवासी लोगों की संस्कृति संरक्षण से संबंधित आदान प्रदान कार्यों पर सहमति जताई गई थी।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक डॉ अश्विन दलवी ने बताया की इस संबंध में ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल आगामी दिनों में उदयपुर स्थित पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का भ्रमण करेगा।

राज्यपाल के दिए निर्देशों पर केंद्र के स्तर पर इस संबंध में भविष्य में किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा बनाइ जाएगी।

राज्यपाल बागडे जब महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष थे तब उनका ऑस्ट्रेलिया जाना हुआ था। इसी दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में सिविक सेंस, सड़क यातायात और शिक्षा तथा कृषि क्षेत्र के कार्यों को महत्वपूर्ण बताते हुए इन्हें भारत के लिए भी उपयोगी बताया था। इसी परिप्रेक्ष्य में ऑस्ट्रेलिया के उच्च स्तरीय राजनयिक ने राजस्थान में भी कार्य करने की भविष्य की संभावनाओं पर सहमति जताई है।

## डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखण्डता के लिए दिया अपना बलिदान

**जयपुर, ज़ूम न्यूज़**

जयपुर। शांति एवं अहिंसा विभाग एवं राउन्ड टेबिल इण्डिया फाउन्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शहीद मेजर दिग्विजय सिंह सुमाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जयपुर में "डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जीः अखण्ड भारत के शिल्पी" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में राज्य सभा सासंद एवं वरिष्ठ जननेता डॉ सतीश पूनिया मुख्य अतिथि रहे।

एक संस्मरण जिसमे रेल यात्रा के दौरान एक घमण्डी अंग्रेज द्वारा मुखर्जी के पिताजी को ट्रेन के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट मे देख उनके जूते ट्रेन से बाहर फेंक कर की गई अभद्रता पर मुखर्जी के पिताजी द्वारा उस अंग्रेज का कोट चलती ट्रेन से बाहर फेंक कर उसी की भाषा में जवाब दिया गया।

### विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित अमृत महोत्सव

## पूर्व विधायक पंडित रामकिशन को व्हीलचेयर पर बैठाने में मदद की

**जयपुर, ज़ूम न्यूज़**

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित अमृत महोत्सव के दौरान आत्मीयता और सम्मान का भाव देखने को मिला।

किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी ने वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व विधायक पंडित रामकिशन को सहारा देकर व्हीलचेयर पर बैठाने में मदद की। कार्यक्रम के दौरान यह मानवीय दृश्य उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अतिथियों का ध्यान आकर्षित करता नजर आया तथा वरिष्ठ नेताओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का संदेश देता दिखा।

## एसीबी राजस्थान ने मनाया 69वाँ स्थापना दिवस, भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनभागीदारी का दिया संदेश

**जयपुर, ज़ूम न्यूज़**

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), राजस्थान के 69वें स्थापना दिवस के अवसर पर एसीबी मुख्यालय में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एसीबी श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव द्वारा की गई।

अपने संबोधन में अतिरिक्त महानिदेशक ने उपस्थित सभी अधिकारी गण एवं कर्मचारीगण को एसीबी स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एसीबी राजस्थान का ध्येय केवल भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन में पारदर्शिता, नैतिकता एवं जनविश्वास को सुदृढ़ करना भी है।

उन्होंने राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के प्रति एसीबी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रदेशवासियों से भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों की सूचना एसीबी हेल्पलाइन 1064 एवं व्हाट्सएप 9413502834 पर देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त महानिदेशक द्वारा अशोक का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा एसीबी परिवार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्थापना दिवस की खुशी साझा करते हुए मिठाइयाँ वितरित की गईं।

# छिलका-रहित जौ: पोषण एवं स्वास्थ्य का उत्कृष्ट स्रोत

**उच्च रेशा, बीटा-ग्लूकान और GABA से भरपूर जौ – आधुनिक जीवनशैली में बेहतर स्वास्थ्य का प्राकृतिक समाधान**

**डॉ. श्याम सिंह राजपूत,** जौ प्रजनक
राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान,
दुर्गापुरा, जयपुर

## भूमिका

बदलती जीवनशैली, शारीरिक निष्क्रियता और पैकेटबंद अस्वास्थ्यकर भोजन के कारण आज देश में मधुमेह (मधुमेह टाइप-2), मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गैर-संचारी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ और कृषि वैज्ञानिक प्राचीन एवं पारंपरिक अनाजों की ओर रुख करने की सलाह दे रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (RARI), दुर्गापुरा, जयपुर के जौ प्रजनक डॉ. श्याम सिंह राजपूत के एक हालिया शोध ने 'छिलका-रहित जौ' (Hull-less or Naked Barley) को पोषण सुरक्षा और जन-स्वास्थ्य के लिए एक क्रांतिकारी समाधान के रूप में प्रस्तुत किया है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, छिलका-रहित जौ सिर्फ एक अनाज नहीं, बल्कि एक उत्कृष्ट 'कार्यात्मक खाद्य' (Functional Food) है, जो न केवल पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों से सुरक्षा भी प्रदान करता है।

जौ (वैज्ञानिक नामः Hordeum vulgare L.) मानव इतिहास की सबसे प्राचीन फसलों में से एक है, जिसकी उत्पत्ति पश्चिमी एशिया के फर्टाइल क्रेसेंट क्षेत्र में हुई थी। अमूमन जौ दो प्रकार का होता है—छिलका युक्त और छिलका-रहित। छिलका युक्त जौ का उपयोग ज्यादातर पशु आहार और शराब या माल्ट उद्योग (बियर, व्हिस्की) में होता है। वहीं, छिलका-रहित जौ सीधा इंसानी उपभोग के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। भारत के पहाड़ी क्षेत्रों जैसे लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में यह पारंपरिक भोजन का हिस्सा रहा है, लेकिन अब इसके औषधीय गुणों के कारण इसे मुख्यधारा के भोजन में शामिल करने की मांग उठ रही है।

शोध रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, छिलका-रहित जौ का पोषणीय प्रोफाइल सफेद चावल, गेहूं और यहां तक कि ओट्स (जई) से भी कई मामलों में कहीं बेहतर हैः

अभूतपूर्व निम्न ग्लाइसेमिक इंडेक्स (GI - 22)ः सफेद चावल (GIः 73) और साबुत गेहूं (GIः 69) की तुलना में छिलका-रहित जौ का जीआई मात्र 22 है। इसका मतलब है कि इसे खाने के बाद खून में शर्करा (ग्लूकोज) का स्तर अचानक नहीं बढ़ता, जो मधुमेह रोगियों के लिए अमृत समान है। इसका ग्लाइसेमिक लोड (GL) भी सिर्फ 9 है।

बीटा-ग्लूकान (Beta-Glucan) का खजानाः इसमें 4 से 11% तक बीटा-ग्लूकान पाया जाता है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) और यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण (EFSA) के मुताबिक, रोजाना 3 ग्राम बीटा-ग्लूकान खाने से शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को 7 से 10% तक कम किया जा सकता है। भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान (IIWBR), करनाल द्वारा विकसित 'DWR-30' और 'DWRUB-76' जैसी किस्मों में 6% से 8.3% तक बीटा-ग्लूकान पाया गया है।

## छिलका-रहित जौ का महत्व

इस फसल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे उगाने के लिए बहुत कम निवेश, खाद और पानी की जरूरत होती है। यह सूखा, कम उपजाऊ भूमि, लवणीय और क्षारीय मिट्टी जैसी बेहद कठिन परिस्थितियों में भी शानदार पैदावार दे सकती है। यही वजह है कि इसे 'क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि' (Climate-Smart Agriculture) और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए एक अनिवार्य फसल माना जा रहा है।

उच्च आहार रेशा (Dietary Fiber): प्रति 100 ग्राम जौ में 18 ग्राम रेशा होता है (चावल में केवल 1.3 ग्राम)। इसका आधा हिस्सा घुलनशील रेशा (9 ग्राम) होता है, जो पेट में जाकर एक गाढ़ा जेल बनाता है। यह जेल ग्लूकोज के अवशोषण को धीमा करता है और आंतों के स्वास्थ्य को दुरुस्त कर बड़ी आंत के कैंसर के खतरे को कम करता है।

तनाव और अनिद्रा से राहत (GABA की मौजूदगी): इसमें 28 मिग्रा/100 ग्राम गामा-अमीनोब्यूटिरिक अम्ल (GABA) पाया जाता है, जो मस्तिष्क के लिए एक प्राकृतिक न्यूरोट्रांसमीटर का काम करता है। यह तनाव, चिंता को कम करने और नींद की गुणवत्ता सुधारने में सहायक है।

एनीमिया और कुपोषण पर प्रहार (जिंक और आयरन): इसमें प्रोटीन (12-14%), जिंक (19.98-49.72 पीपीएम) और आयरन (22.6-47.1 पीपीएम) प्रचुर मात्रा में मिलता है। यह देश में महिलाओं और बच्चों में फैले एनीमिया (रक्तअल्पता) और कुपोषण को दूर करने का एक सस्ता और प्रभावी जरिया है।

इस फसल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे उगाने के लिए बहुत कम निवेश, खाद और पानी की जरूरत होती है। यह सूखा, कम उपजाऊ भूमि, लवणीय और क्षारीय मिट्टी जैसी बेहद कठिन परिस्थितियों में भी शानदार पैदावार दे सकती है।

जौ की फसल

छिलका युक्त जौ (Hulled Barley)

छिलका-रहित जौ (Hull-less Barley)

**तालिका 1. छिलका-रहित जौ एवं प्रमुख साबुत अनाजों का तुलनात्मक पोषणीय प्रोफ़ाइल** (प्रति 100 ग्राम खाद्य भाग)

| पोषणीय मानदंड | छिलका-रहित जौ (साबुत) | सफेद चावल (पॉलिश) | साबुत गेहूँ | साबुत जई (ओट्स) | साबुत मोटे अनाज* | स्वास्थ्य संबंधी महत्व |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्लाइसेमिक इंडेक्स (GI) | 22 | 73 | 69 | 55 | 55 | निम्न GI भोजन के पश्चात रक्त ग्लूकोज एवं इंसुलिन में होने वाली तीव्र वृद्धि को कम करता है तथा टाइप-2 मधुमेह और मोटापे के जोखिम को घटाने में सहायक है। |
| प्रति सर्विंग ग्लाइसेमिक लोड (GL) | 9 | 33 | 28 | 21 | 24 | निम्न GL से सामान्य भोजन मात्रा का रक्त शर्करा पर कम प्रभाव पड़ता है तथा यह हृदय-वाहिका रोगों के कम जोखिम से संबंधित है। |
| कुल आहार रेशा (ग्रा.) | 18 | 1.3 | 12 | 10 | 8 | पाचन स्वास्थ्य में सुधार, कब्ज की रोकथाम, तृप्ति की अवधि में वृद्धि तथा बड़ी आंत के कैंसर के जोखिम को कम करने में सहायक। |
| घुलनशील आहार रेशा (ग्रा.) | 9 | 0.2 | 1.8 | 3.8 | 1.5 | आँतों में स्यान (Viscous) जेल बनाकर ग्लूकोज के अवशोषण को धीमा करता है, LDL ("खराब") कोलेस्ट्रॉल को कम करने तथा लाभकारी आंत्र सूक्ष्मजीवों के पोषण में सहायक। |
| बीटा-ग्लूकान (ग्रा.) | 7 | 0.1 | 0.7 | 4.5 | <0.5 | FDA एवं EFSA के अनुसार प्रतिदिन 3 ग्राम या अधिक बीटा-ग्लूकान का सेवन कुल एवं LDL कोलेस्ट्रॉल को कम करने, ग्लाइसेमिक नियंत्रण में सुधार तथा प्रतिरक्षा क्रिया को सुदृढ़ करने में सहायक है। |
| गाबा (GABA) (मि.ग्रा.) | 28 | 1.5 | 4.5 | 3 | 5 | गामा-अमीनोब्यूटिरिक अम्ल (GABA) एक अवरोधक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो तनाव एवं चिंता को कम करने, नींद की गुणवत्ता सुधारने, रक्तचाप नियंत्रित रखने तथा तंत्रिका तंत्र की सुरक्षा में सहायक माना जाता है। |
| प्रोटीन (ग्रा.) | 13 | 7 | 13 | 12 | 10 | मांसपेशियों की मरम्मत एवं वृद्धि, एंजाइम एवं हार्मोन निर्माण, प्रतिरक्षा प्रणाली तथा ऊर्जा चयापचय के लिए आवश्यक। |

*मोटे अनाज (Millets): बाजरा (Pearl Millet), रागी (Finger Millet) एवं कंगनी (Foxtail Millet) के औसत मान।
**स्रोत:** USDA FoodData Central; FDA (2006); EFSA (2011); Atkinson et al. (2008); ICAR-IIWBR

## छिलका-रहित जौ का पोषणीय महत्व

- कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स एवं लोड – रक्त शर्करा के नियंत्रण में सहायक।
- उच्च कुल एवं घुलनशील आहार रेशा – पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और कोलेस्ट्रॉल कम करने में मददगार।
- बीटा-ग्लूकान का समृद्ध स्रोत – हृदय स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा एवं मधुमेह नियंत्रण में उपयोगी।
- GABA से भरपूर – तनाव, चिंता में कमी, बेहतर नींद और तंत्रिका तंत्र के लिए लाभकारी।
- उच्च गुणवत्ता प्रोटीन – शरीर के विकास, मांसपेशियों और प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए आवश्यक।

## छिलका-रहित जौ: बीटा-ग्लूकान का उत्कृष्ट स्रोत

छिलका-रहित जौ में लगभग 4–11% तक बीटा-ग्लूकान पाया जाता है। नियमित एवं संतुलित आहार के भाग के रूप में इसका सेवन मधुमेह, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मोटापा तथा हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक पाया गया है।

## छिलका-रहित जौ के उपयोग

- दलिया, खिचड़ी, सूप, सलाद, उपमा, इडली जैसे व्यंजनों में प्रयोग।
- आटा या अन्य अनाज के साथ मिलाकर रोटी, ब्रेड, बिस्किट, कुकीज आदि में उपयोग।
- अंकुरित करके सलाद या हेल्दी स्नैक के रूप में।
- माल्ट पेय, न्यूट्री-बार और बेबी फूड में उपयोग।

**निष्कर्ष** छिलका-रहित जौ एक उत्तम पोषक एवं कार्यात्मक खाद्यान्न है, जिसमें प्रचुर मात्रा में बीटा-ग्लूकान, आहार रेशा, प्रोटीन, विटामिन तथा अन्य आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते है। इसका नियमित सेवन हृदय स्वास्थ्य, मधुमेह नियंत्रण, पाचन सुधार और समग्र कल्याण के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

# पश्चिम एशिया में हर भारतीय नाविक पर रहेगी 24 घंटे नजर, होर्मुज में हमलों के बाद सरकार का बड़ा प्लान

नई दिल्ली। 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में 2 व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते समुद्री सुरक्षा संकट को देखते हुए केंद्र सरकार ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए बड़े कदम उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने समुद्री निगरानी बढ़ाने और 'सीफेरर-फर्स्ट' या नाविकों को प्राथमिकता देने की नीति लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में मौजूद हर भारतीय नाविक का पता लगाया जाएगा, चाहे वह किसी भी देश के झंडे वाले जहाज पर काम कर रहा हो।

सोमवार को हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में सोनोवाल ने कई अहम निर्देश दिए।

सोनेवाल ने बैठक के दौरान हर जहाज की 'रियल टाइम मॉनिटरिंग', प्रत्येक प्रभावित भारतीय नाविक के लिए समर्पित संपर्क अधिकारी की नियुक्ति और विदेश मंत्रालय, भारतीय नेवी, जहाजरानी महानिदेशालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय तथा ईरान और ओमान स्थित भारतीय दूतावासों के साथ चौबीसों घंटे समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

यह बैठक होर्मुज में एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा नामक 2 व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद बुलाई गई थी।

दोनों जहाजों के कुल 46 सदस्यीय दल में 30 भारतीय नाविक शामिल थे।

## सीएम पुष्कर सिंह धामी के मुरीद हुए कांग्रेस विधायक, मंच से की खुलकर तारीफ

गोपेश्वर। चमोली में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यक्रम ने राजनीतिक हलकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इसकी सबसे बड़ी वजह रही बद्रीनाथ से कांग्रेस विधायक लखपत बुटोला का मंच से मुख्यमंत्री की खुलकर तारीफ करना। 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस विधायक लखपत बुटोला ने कहा कि अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि विपक्ष के विधायकों के साथ भेदभाव होता है, लेकिन उनकी विधानसभा में सबसे ज्यादा विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का धन्यवाद करते हैं। कांग्रेस विधायक का यह बयान ऐसे समय आया है, जब प्रदेश में विकास कार्यों को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच लगातार सियासी बयानबाजी चल रही है। ऐसे में सार्वजनिक मंच से मुख्यमंत्री की तारीफ को राजनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री की सभा में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सुबह से ही आसपास के क्षेत्रों से लोग गोपेश्वर के पुलिस मैदान पहुंचने लगे थे। कार्यक्रम स्थल पर लोगों की अच्छी-खासी भीड़ रही और मुख्यमंत्री के संबोधन के दौरान पूरा मैदान श्रोताओं से भरा नजर आया। बता दें कि अभी हाल में ही पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री के रूप में पांच साल पूरे किए हैं।

## दिल्ली में 108 स्कूल असुरक्षित चिन्हित, 7 जल्द होंगे ध्वस्त

नई दिल्ली। जांच में सामने आया है कि इन 108 में से 54 स्कूल इमारतें बेहद जर्जर हालत में हैं। इन्हें हटाने यानी ध्वस्तीकरण की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इनमें से 7 स्कूल भवनों को अगले कुछ ही महीनों में गिराया जा सकता है। जांच में सामने आया है कि इन 108 में से 54 स्कूल इमारतें बेहद जर्जर हालत में हैं। इन्हें हटाने यानी ध्वस्तीकरण की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इनमें से 7 स्कूल भवनों को अगले कुछ ही महीनों में गिराया जा सकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी पुराने स्कूल भवनों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग (PWD) को मौजूदा भवनों की सुरक्षा जांच और लागत का आकलन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। 14 अन्य स्कूल भवनों के लिए भी स्ट्रक्चरल ऑडिट के प्रस्ताव भेजे गए हैं। शिक्षा विभाग सभी स्कूल भवनों की डिजिटल प्रोफाइलिंग करेगा, जिसमें संरचनात्मक मजबूती, अग्नि सुरक्षा और अन्य सुरक्षा मानकों का आकलन होगा। सरकार जर्जर हो चुकी पुरानी इमारतों को गिराकर उनकी जगह आधुनिक और भूकंपरोधी G+4 (चार मंजिला) स्कूल भवन बनाएगी।

## INDIA गठबंधन नहीं छोड़ेंगे, डीलिमिटेशन पर साथ मिलकर होगा फैसला: सुप्रिया सुले

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष और एमपी सुप्रिया सुले ने NDS में शामिल होने की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी किसी के दबाव में काम करने वाली नहीं है। सुप्रिया सूले ने साफ तौर पर कहा कि उनकी पार्टी INDIA गठबंधन का हिस्सा है और डीलिमिटेशन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर गठबंधन के सभी दल मिलकर फैसला करेंगे। सुप्रिया सुले ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभी तक केंद्र सरकार की ओर से डीलिमिटेशन से जुड़ा कोई विधेयक या आधिकारिक प्रस्ताव उनके पास नहीं आया है। ऐसे में समर्थन या विरोध का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि जब भी ऐसा कोई प्रस्ताव आएगा तो INDIA गठबंधन में शामिल सभी दलों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद पार्टी अपना रुख तय करेगी। वहीं महिला आरक्षण से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि संसद से पारित 33 प्रतिशत महिला आरक्षण कानून को पहले लागू किया जाना चाहिए। सुप्रिया के मुताबिक, न तो INDIA गठबंधन और न ही एनसीपी (एसपी) ने डीलिमिटेशन की मांग की है। सुप्रिया सुले ने यह भी खुलासा किया कि बजट सत्र के दौरान केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने उन्हें, असदुद्दीन ओवैसी और अरविंद सावंत को चर्चा के लिए बुलाया था। वहां गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। बैठक में सभी राज्यों में मौजूदा लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि के एक संभावित फॉर्मूले पर चर्चा हुई थी ताकि किसी राज्य के साथ जनसंख्या आधारित परिसीमन में किसी प्रकार का असंतुलन न हो। हालांकि बाद में आए विधेयक में इस प्रस्ताव का उल्लेख नहीं था। सुप्रिया सुले कहा कि शरद पवार के नेतृत्व में INDIA गठबंधन ने इस विषय पर सरकार को एक चिट्ठी भी लिखी थी और सर्वदलीय बैठक बुलाकर चर्चा करने की मांग की थी। उनका कहना था कि लोकतंत्र में ऐसे बड़े फैसले व्यापक सहमति से होने चाहिए। एनडीए में शामिल होने की चर्चाओं पर सुप्रिया सुले ने दोहराया कि आज की तारीख में पार्टी के भीतर ऐसा कोई प्रस्ताव या चर्चा नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी आठ सांसद एकजुट हैं और पार्टी का हर फैसला सामूहिक रूप से लिया जाएगा। एनसीपी के दोनों दलों के विलय के सवाल पर वह भावुक हो उठीं।

उन्होंने कहा कि उनके भाई अजित पवार की इच्छा थी कि दोनों दल साथ आएं, लेकिन उनके निधन के बाद अब इस विषय पर कोई चर्चा नहीं है। उन्होंने कहा कि फिलहाल पार्टी का पूरा ध्यान जनता से जुड़े मुद्दों और संगठन पर है। बता दें कि महाराष्ट्र की राजनीति में मंगलवार को उस समय हलचल तेज हो गई, जब दिल्ली और मुंबई में अलग-अलग स्तर पर महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठकें हुईं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वहीं, मुंबई में सीएम देवेंद्र फडणवीस की एनसीपी अजीत पवार गुट और एनसीपी शरद पवार गुट के नेताओं से मुलाकात हुई है।

एक ही दिन में हुई इन मुलाकातों को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज होने लगी।

सुप्रिया सुले के बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में चल रही अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी अपने राजनीतिक सिद्धांतों और गठबंधन की सामूहिक रणनीति के अनुरूप ही आगे बढ़ेगी।

## पहले किया एक्सीडेंट, फिर पुलिस से हाथापाई, गुरुग्राम में बवाल काटने वाला कैब ड्राइवर गिरफ्तार

गुरुग्राम से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक कैब ड्राइवर ने न केवल एक सड़क हादसे को अंजाम दिया, बल्कि मौके पर पहुंची पुलिस के साथ भी बदसलूकी और मारपीट की। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम की सड़कों पर एक तेज रफ्तार कैब ने एक बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार बुरी तरह घायल हो गया। इस घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान अजय कुमार के रूप में हुई है, जो बिहार के मधुबनी का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर दुर्घटना में इस्तेमाल कैब भी जब्त कर ली है और उस पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस से हाथापाई करने और लापरवाही से वाहन चलाने समेत कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

इस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। लेकिन जैसे ही पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को रोकने और पूछताछ करने की कोशिश की, आरोपी ने अपना आपा खो दिया। आरोप है कि उसने न केवल पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज की, बल्कि उन पर हाथ भी उठा दिया। एक पुलिसकर्मी को मुक्का मारने का भी गंभीर आरोप उस पर लगा है।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने बना लिया, जो अब इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान बिहार के मधुबनी निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने दुर्घटना में इस्तेमाल की गई कैब को भी अपने कब्जे में ले लिया है। गुरुग्राम पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस के साथ हाथापाई करने और लापरवाही से वाहन चलाने सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। गुरुग्राम की सड़कों पर लगातार हो रही इस तरह की घटनाएं कानून-व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर रही हैं।

# राजस्थान सरकार की तिजोरी में धूल फांक रहा 64 करोड़ रुपये का सोना-चांदी, CAG की रिपोर्ट में खुलासा

**यह सोना-चांदी अलग-अलग आपराधिक मामलों में पुलिस और विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जब्त किया गया था।**

राजस्थान के सरकारी खजाने में 64.44 करोड़ रुपये का सोना-चांदी वर्षों से पड़ा हुआ है, लेकिन उसका नियमानुसार निस्तारण अब तक नहीं हो पाया है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की ताजा समीक्षा रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, अपराधियों से जब्त की गई और बाद में न्यायालय की ओर से राजकीय संपत्ति घोषित की गई बहुमूल्य सामग्री लंबे समय से सरकारी कोषागार में जमा है, लेकिन उसे सरकार के निर्धारित नियमों के अनुसार न तो बेचा गया और न ही उपयोग में लाया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, जयपुर स्थित राज्य के रिजर्व कोषागार में 29.011 किलो सोना और 972.747 किलो चांदी रखी हुई है। मौजूदा बाजार भाव के आधार पर इसकी अनुमानित कीमत 64.44 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसमें सोने का मूल्य करीब 42.36 करोड़ रुपये और चांदी का मूल्य 22.08 करोड़ रुपये बताया गया है। CAG ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि यह सोना-चांदी पुलिस और विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जब्त किया गया था।

बाद में अदालतों ने इन्हें राजकीय संपत्ति घोषित कर दिया। वित्त विभाग ने इनकी वैल्यूएशन भी करवा ली, लेकिन मई 2025 तक भी इनका निस्तारण नहीं किया गया।

राजस्थान कोषागार नियमावली-2012 के नियम 122 के तहत जयपुर (शहर) को राज्य का रिजर्व कोषागार घोषित किया गया है। सामान्य और आपराधिक मामलों में न्यायालयों द्वारा राजकीय संपत्ति घोषित किए गए सोना, चांदी, हीरे और अन्य बहुमूल्य सामान यहीं जमा कराए जाते हैं। नियमों के अनुसार, पुरातात्विक महत्व की वस्तुएं पुरातत्व विभाग को सौंपी जानी चाहिए, जबकि सोना-चांदी जैसी बहुमूल्य धातुओं को मुंबई स्थित सरकारी टकसाल भेजकर शुद्ध धातु में परिवर्तित कराने के बाद उनकी बिक्री की जानी चाहिए। लेकिन CAG ने पाया कि वैल्यूएशन होने के बावजूद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी और करोड़ों रुपये की संपत्ति वर्षों से सरकारी तिजोरी में बंद पड़ी है। इससे न केवल नियमों के अनुपालन पर प्रश्न उठते हैं, बल्कि राज्य को संभावित राजस्व प्राप्ति भी समय पर नहीं हो पाती।

## प्यार में पड़ा 17 साल का लड़का 10वीं मंजिल से गिरा, गर्लफ्रेंड की मां से बचने के लिए पाइप पर लटका था

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। लक्ष्मीसागर थाना क्षेत्र के एक बहुमंजिला अपार्टमेंट में 11वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र की 10वीं मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि छात्र अपनी दोस्त के घर उससे मिलने गया था। उसी दौरान लड़की की मां अचानक घर लौट आईं। घबराहट में छात्र ने खुद को छिपाने की कोशिश की, लेकिन यही कोशिश उसकी जान पर भारी पड़ गई। मृतक की पहचान रफान खुर्शीद के रूप में हुई है। वह भुवनेश्वर के एक निजी स्कूल में 11वीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता एक निजी बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। जानकारी के मुताबिक, घटना वाले दिन रफान अपनी महिला मित्र से मिलने उसके फ्लैट पर गया था। उस समय लड़की घर में अकेली थी।

कुछ देर बाद लड़की की मां अचानक घर पहुंच गईं। उन्हें देखकर रफान घबरा गया और पहले बाथरूम में छिप गया। लेकिन जब उसे लगा कि वह वहां पकड़ा जा सकता है, तो उसने बाथरूम से निकलकर बिल्डिंग के डक्ट यार्ड में मौजूद पाइप के सहारे बाहर लटककर छिपने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि रफान करीब 10वीं मंजिल की ऊंचाई पर पाइप पकड़कर कई मिनट तक लटका रहा। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नीचे गिर पड़ा। इतनी ऊंचाई से गिरने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद अपार्टमेंट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भुवनेश्वर के कैपिटल अस्पताल भेज दिया। जांच के दौरान पुलिस ने अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। पुलिस अब इसी फुटेज के आधार पर घटना के पूरे घटनाक्रम को जोड़ने का प्रयास कर रही है।

# बेलगावी में पुलिस कमिश्नर ऑफिस के पास जिमखाना क्लब में हुई गोलीबारी, हथियारों के साथ बेखौफ घूमते दिखे आरोपी

कर्नाटक के बेलगावी जिले से हैरान कर देने वाली वारदात का वीडियो वायरल हो रहा है। बेलगावी पुलिस कमिश्नर ऑफिस के पास बने जिमखाना क्लब में हत्या के प्रयास और गोलीबारी की वारदात सामने आई है। हत्या की कोशिश का यह डरावना मंजर CCTV फुटेज में कैद हो गया है। यह घटना कैंप पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। पुलिस ने CCTV फुटेज कब्जे में ले लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामले की आगे जांच चल रही है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पांच हमलावर क्लब पहुंचे। इनमें से दो बाहर ही रुके रहे, जबकि तीन रमी क्लब के अंदर गए, जहां सुरेश जलगर नाम का व्यक्ति था। आरोप है कि हमलावरों ने जलगर को गोली मारने की कोशिश करने से पहले उनके सिर पर बंदूक से वार किया। हालांकि, बताया जा रहा है कि जलगर ने हमलावर को धक्का दिया और गोली लगने से पहले ही वहां से भागने में कामयाब हो गया। आपको बता दें कि इससे पहले कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर जिले में भी अपराध की हैरान करने वाली वारदात सामने आई थी। यहां छेड़खानी पर इंजीनियरिंग की छात्रा ने मारा थप्पड़ तो मनचलों ने घर की महिलाओं के साथ आकर उससे मारपीट की थी। छात्रा के पेट और गर्दन पर चाकू से वार किया गया था। CCTV फुटेज में क्लब के अंदर दो हथियारबंद हमलावर बंदूकें लहराते और जलगर का पीछा करते हुए दिख रहे हैं। जलगर कुछ ही सेकंड में बाल-बाल बच गया।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in